दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

कुछ समयांतराल पर जब बार-बार हो फीवर..... सही ट्रीटमेंट-बैलेंस्ड लाइफस्टाइल से...

वर्ष : 12 | अंक : 182 | लखनऊ, 26 जून, शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

एक्ट्रेस के घर मिला बिजनेसमैन का शव

बेंगलुरु। बेंगलुरु के राजा-राजेश्वरी नगर में कन्नड़ एक्ट्रेस कृषि थापांडा के घर पर वैशाख नाम के एक

बिजनेसमैन ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा वह डिप्रेशन से जूझ रहे थे। पुलिस के अनुसार यह घटना बुधवार रात करीब 8:30 बजे हुई, जब कृषि थापांडा येलाहंका गई हुई थीं। वैशाख पिछले एक हफ्ते से घर पर रह रहे थे।

तेलंगाना में 'सर' पर अलर्ट, रेड्डी ने सचेत किया

हैदराबाद। कांग्रेस शासित राज्य तेलंगाना में चुनाव आयोग ने एसआईआर का काम बूथ स्तर पर शुरू कर दिया है।

बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता का वेरिफिकेशन करेंगे। इसको लेकर कांग्रेस अलर्ट हो गई है और आधी रात में सीएम रेवंत रेड्डी ने मंत्रियों, विधायकों और दिग्गज नेताओं के साथ एसआईआर की रणनीतियों के संबध में अहम बैठक की है।

अस्वीकृति बर्दाश्त नहीं कर पाते लड़के: हाई कोर्ट

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने सुनवाई करते हुए समाज और आज की युवा पीढ़ी की मानसिकता पर

अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा है कि युवा पीढ़ी रिजेक्शन स्वीकार नहीं कर पाती है। कोर्ट 2016 में कॉलेज की क्लास के अंदर अपनी क्लासमेट की हत्या के मामले की सुनवाई कर रहा था। इसमें उसकी सजा और उम्रकैद को बरकरार रखा है।

सुजाता कार्तिकेयन बीजेडी में शामिल

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजनीति में अहम घटनाक्रम सामने आया है। नौकरशाह से राजनेता बने वीके

पांडियन की पत्नी और पूर्व आईएएस अधिकारी सुजाता राउत कार्तिकेयन ने गुरुवार को बीजू जनता दल का दामन थाम लिया। अध्यक्ष नवीन पटनायक की मौजूदगी में बीजेडी में शामिल हुई हैं। कार्यकर्ताओं और महिला विंग ने स्वागत किया।

बच्ची से रेप, 29 को सजा सुनाएगी पुणे अदालत

पुणे। एक विशेष अदालत ने 25 जून को तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले

में 65 वर्षीय भीमराव कांबले को दोषी करार दिया है। बड़ी बात यह है कि इस मामले की सुनवाई महज दो महीने में पूरी कर ली गई विशेष न्यायाधीश ने कहा है कि दोषी को कितनी सजा दी जाएगी, इसका फैसला 29 जून को सुनाया जाएगा।

आपातकाल की 51वीं बरसी पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

कभी माफ न करें, कभी न भूलें, यह लोकतंत्र के लिए बड़ा 'काला अध्याय'

1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा ने देश में लगाई थी इमरजेंसी

इंस्टाग्राम पर हैशटैग 'संविधान हत्या दिवस' के साथ पोस्ट किया

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से लगाए गए आपातकाल की 51वीं बरसी पर गुरुवार को इस दिन को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय बताया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने नागरिकों से कहा कि इस दाग को बार-बार याद करने की जरूरत है, ताकि देश में फिर कोई ऐसा पैदा न हो, जिसको इस पाप के रास्ते पर जाने की इच्छा हो जाए। पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर हैशटैग 'संविधान हत्या दिवस' के साथ पोस्ट किया, क्या आप जानते हैं कि हमारे लोकतांत्रिक इतिहास में 25 जून इतना महत्वपूर्ण क्यों है? उन्होंने लिखा, आपातकाल लगाने वालों के माथे पर उस गंभीर पाप का कलंक हमेशा के लिए लग गया है। आज हम उन सभी लोगों को सलाम करते हैं, जो डटकर खड़े रहे। उन्हीं की वजह से लोकतंत्र बचा रहा। कभी माफ न करें और कभी न भूलें।

इंदिरा के आपातकाल की घोषणा का अंश शेयर किया

पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में शुरुआत में इंदिरा गांधी के आपातकाल की घोषणा का अंश शेयर किया, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री को कहते सुना गया, राष्ट्रपति जी ने आपातकाल की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने इसका शीर्षक दिया, आपातकाल की 51वीं बरसी- जानिए क्यों इसे भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना जाता है।

मैंने इसे बहुत निकट से देखा

पीएम मोदी ने कहा कि आपातकाल को मैंने बहुत निकट से देखा है। करोड़ों लोगों को यातनाएं दी गईं। जिस संसद के अंदर होता था, वह तो रिकॉर्ड पर है। आपातकाल लगाने वालों ने न सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की, लेकिन बहुत कोशिशें, हजारों गिरफ्तारियों और लाखों लोगों पर अत्याचार के बाद भी भारत के लोगों का लोकतंत्र से विश्वास डिगा

संविधान की हत्या की कोर्ट को गुलाम बनाया

पीएम मोदी ने संदेश में कहा कि आपातकाल लगाने वालों ने न सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की, बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया। इसके अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जॉर्ज फर्नांडिस साहब को जंजीरों में बांधा गया था और अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गईं। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। छात्रों को भी परेशान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी का भी गला घोंट दिया गया था।

जनभागीदारी की शक्ति से बड़े-बड़े संकट टलेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि जनभागीदारी की शक्ति से बड़े-बड़े संकटों का मुकाबला किया जा सकता है। उस समय जब मीडिया पर ताले लग चुके थे, हर किसी को लगता था कि आज शाम को पुलिस आएगी और पकड़ लेगी। लोगों का सामर्थ और ताकत देखिए, जाति, पंथ व संप्रदाय, इन सबसे ऊपर उठकर देश ने उस समय चुनाव में नतीजा दिया था।

संविधान को कुचलने का पाप कोई नहीं भूल सकता

पीएम मोदी ने कहा कि संविधान की बातें बताना और संविधान को कुचलने का पाप करना, इन चीजों को कोई भूल नहीं सकता है। उस समय जो भी इस पाप के भागीदार थे, ये पाप कभी मिटने वाला नहीं है। इस दाग को बार-बार स्मरण करने की भी जरूरत है, ताकि देश में फिर कोई ऐसा पैदा न हो, जिसे इस रास्ते पर जाने की इच्छा हो जाए।

इमरजेंसी से लोकतांत्रिक संस्थाओं पर पड़ा था दबाव : राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी आपातकाल को याद करते हुए कहा कि यह ऐसा दौर था जब लोकतांत्रिक अधिकारों और संस्थाओं पर गंभीर दबाव पड़ा था। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित किया गया, न्यायपालिका को कमजोर करने के प्रयास हुए और करोड़ों नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन किया गया।

कोलकाता गोदाम हादसा

मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 11, प्रधानमंत्री देंगे मुआवजा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम कोलकाता के तारातला इलाके में हादसे में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। मलबे से निकाले गए 20 लोगों का इलाज जारी है। कई की हालत गंभीर है। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान जारी है। प्रधानमंत्री ने इस पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख देने की घोषणा की है। घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

खामियों के बावजूद टीएमसी ने नक्शे को मंजूरी दी : सुवेंदु

बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि संरचनात्मक

खामियों के बावजूद भवन का नक्शा मंजूर किया गया था और उस स्वीकृति पर पूर्व महापौर एवं टीएमसी नेता फिरहाद हकीम के हस्ताक्षर हैं। उन्होंने विधानसभा में कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

महाराष्ट्र में सियासी भूचाल

उद्धव की बैठक से 23 विधायक नदारद, शरद पवार भी नहीं पहुंचे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

महाराष्ट्र की राजनीति में एक और बड़े भूचाल के संकेत मिल रहे हैं। महा विकास

अघाड़ी गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। बुधवार को गठबंधन की एक अहम रणनीतिक बैठक से 60 में से 23 विधायकों ने दूरी बना ली। इनमें शरद पवार जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

बैठक से नदारद रहे ये दिग्गज नेता

बैठक मानसून सत्र के लिए रणनीति तैयार करने के मकसद से बुलाई गई थी, लेकिन इसमें कई बड़े नेता नहीं पहुंचे। कांग्रेस नेता नाना पटोले और विजय वडेट्टीवार भी बैठक से गायब रहे।

दिल्ली-मथुरा पर हाई अलर्ट

हाइवे, स्टेशनों और ट्रेनों में अचानक जांच से हड़कंप

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के संयुक्त आपरेशन के तहत दिल्ली से मथुरा के बीच सुरक्षा चौकसी को बढ़ाया गया है। आरपीएफ महानिदेशक सोनाली मिश्रा के निर्देश पर विशेष सुरक्षा चौकसी अभियान के तहत सेक्शन के बीच रेलवे स्टेशन परिसर और ट्रेनों में नियमित रूप से चेकिंग की जा रही है। बुधवार और गुरुवार को चेकिंग के तहत ओल्ड रेलवे स्टेशन परिसर, बल्लभगढ़, असावटी, पलवल स्टेशन परिसर पर डॉग स्क्वायड टीम के सदस्य शेरा के साथ यात्री सामानों, डस्टबिन, ट्रेनों में तलाशी ली गई। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी श्रवण कुमार ने बताया कि पिछले दिनों जीआरपी के अंबाला हेडक्वार्टर से भी सुरक्षा चौकसी को बढ़ाने अलर्ट आया था। जीआरपी और आरपीएफ पड़ताल की।

सरकारी बसों का उद्घाटन किया

सीएम विजय ने 300 बसों को दिखाई हरी झंडी, यात्रा भी की

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता विजय ने जब से सीएम की कुर्सी संभाली है, तब से ही चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने चेन्नई में नई सरकारी बसों का उद्घाटन किया। इसके बाद वेमंच छोड़कर बस पर बैठे। उन्होंने बस कंडक्टर और ड्राइवर से भी बातचीत की। इस मामले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

शहर में 300 नई सरकारी बसों को हरी झंडी दिखाने के बाद, विजय एक बस में सवार हुए और शहर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्रू से बातचीत की और रास्ते में लोगों का अभिवादन किया। इस बीच मुख्यमंत्री सफेद शर्ट और धूप का चश्मा पहने नजर आए। जबकि मंत्री उनके पास में खड़े थे। एक वीडियो में, वह कंडक्टर के साथ लंबी बातचीत करते हुए दिखे।

राज्यसभा में 10 सांसदों ने ली शपथ, उपराष्ट्रपति ने दिलाई सदस्यता

कार्यक्रम में दिखा विभिन्न राज्यों और भाषाओं का 'प्रतिनिधित्व'

हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगू में ली शपथ

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राज्यसभा में गुरुवार को अहम शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने यहां नवनिर्वाचित और पुनर्निर्वाचित 10 सदस्यों को राज्यसभा सदन में शपथ एवं प्रतिज्ञान दिलाया। इस अवसर पर सदन में गरिमामय वातावरण देखने को मिला। विभिन्न राज्यों के कई सांसदों ने अपनी मातृभाषा में यह शपथ ली। जिन सांसदों ने शपथ ली है उनमें प्रवीण चक्रवर्ती, देबाशीष सामंतराय, सना सतीश बाबू, विजय चिंतकायाला,

उपराष्ट्रपति ने टीडीपी नेता विजय चिंताकायाला का अभिवादन किया

भाष्यम राम कृष्ण, लिंगामनेनी रमेश, राजेश परमानंद शुक्ला, बैद्यनाथ राम, परिमल नथवानी और ताई टागाक शामिल रहे।

5 सदस्यों ने हिंदी को महत्ता दी

सभी ने औपचारिक सदस्यता ग्रहण कर ली है। समारोह की एक विशेषता देश की भाषाई विविधता भी रही। 10 में से 5 सदस्यों ने हिंदी में राज्यसभा सदस्य की शपथ ली, वहीं एक ने अंग्रेजी में शपथ ली, एक सदस्य ने तमिल में तथा 3 सदस्यों ने तेलुगु भाषा में शपथ व प्रतिज्ञान लिया। यह भारतीय लोकतंत्र की बहुभाषी परंपरा और संविधान द्वारा सभी भाषाओं को दिए गए सम्मान को दर्शाता है।

विपक्ष के नेता राहुल ने शिक्षा मंत्री पर फिर निशाना साधा

युवाओं से माफी मांगें और इस्तीफा दें शिक्षामंत्री प्रधान

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

आरोप- केंद्र सरकार अहंकारी हो गई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर हमला करते हुए उन पर छात्रों का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि वे देश के युवाओं से माफी मांगें और इस्तीफा दें। एक्स पर साझा पोस्ट में राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार अहंकारी हो गई है और अब उन छात्रों को निशाना बना रही है, जो अधिकारों और निष्पक्ष परीक्षाओं और रोजगार की मांग उठा रहे हैं।

देश के छात्रों का अपमान किया जा रहा

करोड़ों युवाओं को अंधकार में धकेला गया

राहुल ने पोस्ट में लिखा, सत्ता के अहंकार में डूबी मोदी सरकार अब इस मुकाम पर पहुंच गई है कि अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और सुरक्षित भविष्य की मांग करने वाले छात्रों को ही शिक्षा मंत्री आतंकवादी कह रहे हैं। जरा सोचिए- जिसकी नाकामी से इतने पेपर लीक हुए, जिसके राज में 20 बच्चों ने जान दे दी, जिसने करोड़ों युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेल दिया। वो आज पीड़ित बच्चों और उनकी आवाज उठाने वालों को दहशतगर्द बता रहे हैं। ये कोई नई बात नहीं है।

मैं शिक्षा व्यवस्था को बदलकर रहूंगा

राहुल ने कहा कि आप मुझ पर जितने हमले कर लें, लेकिन जो शिक्षा व्यवस्था आज वसूली तंत्र बन गई है, उसे मैं ऐसी नहीं रहने दूंगा। हर बच्चे को सस्ती, अच्छी शिक्षा और निष्पक्ष परीक्षा मिले, इस आवाज को उठाना मैं कभी भी बंद नहीं करूंगा।

शिक्षा व्यवस्था से छात्रों का भरोसा टूटा: गोगोई

कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने परीक्षा संबंधी कथित अनियमितताओं की

बार-बार सामने आ रही घटनाओं को शिक्षा व्यवस्था की 'बड़ी संस्थागत विफलता' करार देते हुए कहा कि इससे छात्रों का भरोसा टूट गया है। कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' में गोगोई ने यह भी कहा कि लीक और व्यवधान से छात्र परेशान हो रहे।

राष्ट्रपति प्रशिक्षु अधिकारियों से मिलीं

सेना इंजीनियरी सेवा देश के डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर की रीढ़

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने

गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में सेना इंजीनियरी सेवा (एमईएस) के वर्ष 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए देश की रक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में सेना इंजीनियरी सेवा की महत्वपूर्ण

डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर का आधार है एमईएस

राष्ट्रपति ने कहा कि सेना इंजीनियरी सेवा देश के डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर की रीढ़ है। सामरिक महत्व के प्रतिष्ठानों के निर्माण और रखरखाव के माध्यम से यह सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को सुदृढ़ करने में अहम है। सेना इंजीनियरी सेवा के अधिकारियों का कौशल, समर्पण और कठोर परिश्रम यह सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत अहम है कि सैनिक, नौसैनिक और वायु सैनिक रक्षा के दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।

संविधान हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है, इसकी रक्षा करना हम सभी का दायित्व – केशव प्रसाद मौर्य

आपातकाल जैसे काले अध्याय की पुनरावृत्ति कभी नहीं होने देंगे

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संविधान हत्या दिवस के अवसर पर कहा कि 25 जून, 1975 की मध्य रात्रि को देश पर आपातकाल थोप दिया गया था, जो भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक काला अध्याय है। उस दौरान देशवासियों के मौलिक अधिकारों का हनन किया गया, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को प्रभावित किया गया और असहमति की आवाजों को दबाने का कार्य किया गया। श्री मौर्य ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान है, जो प्रत्येक नागरिक को अधिकार, समानता और सम्मान के साथ जीवन जीने की गारंटी देता है। संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने इसे देश की जनता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से बनाया था, लेकिन आपातकाल के दौरान इसी संविधान का सहारा लेकर जनता के अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि आपातकाल के काले दिनों को देश कभी नहीं भूल सकता। लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का त्याग, साहस और समर्पण सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी लोकतंत्र सेनानियों ने विपरीत परिस्थितियों में भी लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1975 में तत्कालीन सरकार ने सत्ता के अहंकार

में देश पर आपातकाल लगाया और लोकतांत्रिक मूल्यों पर गंभीर प्रहार किया। प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाया गया और हजारों लोकतंत्र समर्थकों को जेलों में बंद किया गया। संविधान हत्या दिवस हमें उस दौर की याद दिलाता है और लोकतंत्र की मजबूती के लिए सतर्क रहने की प्रेरणा देता है। श्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार संविधान की भावना के अनुरूप कार्य कर रही है। वर्ष 2017 से उत्तर प्रदेश में चल रही डबल इंजन की सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ बिना किसी भेदभाव के प्रदेश के विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में ऐसा वातावरण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की गरिमा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हो। आपातकाल जैसे दिन देश और प्रदेश में दोबारा नहीं आने दिए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प में हर युवा के लिए अवसर, हर गरीब के लिए सम्मानजनक जीवन और प्रत्येक नागरिक के लिए विकास की समान भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा दिए गए संविधान की शक्ति से आज देश की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है। श्री मौर्य ने कहा कि जनता से बड़ी कोई शक्ति नहीं होती। हमारा संविधान ही वह शक्ति देता है, जिसके माध्यम से देश का प्रत्येक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर ग्राम प्रधान, नगर निकाय प्रतिनिधि, विधायक और सांसद का चुनाव करता है। लोकतंत्र की यही ताकत भारत को विश्व में विशिष्ट स्थान प्रदान करती है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने वाले एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली करीब 20 वर्षीया पीड़िता ने बीते सवा माह पहले 17 मई को सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें उसने आरोप लगाया कि मूल रूप से लखीमपुर जिले के खीरी थाना क्षेत्र स्थित सकेथू और वर्तमान में कृष्णा नगर के सरदारी खेड़ा निवासी अम्बुज वर्मा (27) पीड़िता की 14 वर्ष उम्र के दौरान से उससे शारीरिक संबंध बनाए। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसका

वीडियो भी बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर लगातार उसका शोषण करता रहा। इससे पीड़िता को मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और मुखबिर आदि की मदद से आरोपी को गुरुवार को न्यू गड़ौरा अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि वह लंबे समय से पीड़िता को धमकाकर उसका शोषण कर रहा था। पुलिस ने बताया कि पीड़िता की काउंसलिंग भी कराई गई है, जिससे कि उसे मानसिक तनाव से बाहर निकलने में मदद मिल सके। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म व पाक्सो सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुरुवार को उसे जेल भेज दिया है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक बाइक सवार प्राइवेट कंपनी के सुपरवाइजर की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से सिद्धार्थनगर जिले के खजुरिया सरकी गांव निवासी मुकेश गौतम (22) बीते कुछ समय से सरोजनी नगर के दरोगा खेड़ा में किराए पर रहकर एक प्राइवेट कंपनी में सुपरवाइजर थे। मुकेश गुरुवार सुबह करीब 10 बजे अपने मित्र को छोड़ने बाइक से कानपुर रोड स्थित दरोगा खेड़ा चौराहे पर गए थे। तभी वहां से वापस लौटते समय अज्ञात वाहन ने मुकेश की बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। जिससे मुकेश गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मुकेश को पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया और घटना की सूचना दरोगा खेड़ा में रहने वाले मुकेश के परिचित को दी। सूचना के बाद पहुंचे परिचित ने मुकेश को वहां से रेफर करा कर लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया। लेकिन लोक बंधु अस्पताल में चिकित्सकों ने मुकेश को मृत घोषित कर दिया। मृतक मुकेश के परिवार में पिता ओमप्रकाश और मां शांति देवी के अलावा एक छोटा भाई है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है।

धरना दे रहे किसान यूनियन कार्यकताओं और अधिवक्ताओं के बीच झड़प

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर तहसील में गुरुवार को 6 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना दे रहे किसान यूनियन कार्यकताओं और कुछ अधिवक्ताओं के बीच झड़प हो गई। हालाकि बाद में किसान यूनियन पदाधिकारियों ने माफी मांग कर मामले को शांत किया। हुआ यह कि भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के प्रदेश प्रभारी देवेंद्र कुमार उर्फ बबलू के नेतृत्व में गुरुवार को भारी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता लखनऊ जिले में किसानों को मक्के का उचित मूल्य ना मिल पाने के कारण खरीद केंद्र की व्यवस्था कराने, लंबित घरौनी का कार्य कराने के साथ उसका वितरण कराने, ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ी हुई बिजली दर को कम करने और 8 घंटे से बढ़ाकर 15 घंटे बिजली उपलब्ध

कराने, ग्रामीण क्षेत्र के लिंक मार्गो के किनारे पटरियों पर खड़ी झाड़ियों को हटवा कर पटरियां दुरुस्त कराने और गांव के संकरे रास्तों की नपाई कर चौड़ा कराने आदि मांगों को लेकर सरोजनी नगर तहसील परिसर में धरना दे रहे थे। इसी दौरान भीषण गर्मी में पानी की व्यवस्था न होने से कार्यकर्ता नाराज हो गए और उन्होंने कई बार तहसील प्रशासन से पानी की व्यवस्था के लिए धरना स्थल पर टैंकर मंगवाने की मांग की। लेकिन काफी देर तक जब पेयजल का टैंकर नहीं पहुंचा तो धरना दे रहे लोग नाराज हो गए और तहसील के दोनों मुख्य गेट को अंदर से बंद कर दिया। इस दौरान कई वकील तहसील के अंदर फंस गए, वह बाहर नहीं निकल पाए। इसी को लेकर किसान यूनियन की महिला कार्यकर्ता और एक वकील से तीखी झड़प हो गई। इसी बीच सरोजनीनगर बार एसोसिएशन के महामंत्री गोविंद प्रताप शुक्ला व अन्य वकील भी वहां पहुंच गए। जब इसकी जानकारी धरना दे रहे किसान यूनियन के पदाधिकारियों को हुई तो वह भी वहां पहुंचे। बाद में किसान यूनियन संगठन की आरोपी महिला और उनके कई पदाधिकारियों ने वकीलों से माफी मांगी। जिसके बाद मामला शांत हुआ। वहीं इस मामले के बाद सरोजनीनगर एसडीएम की ओर से करीब 3:30 बजे धरना दे रहे किसान यूनियन कार्यकताओं के लिए पानी भरा टैंकर भी उपलब्ध करा दिया गया। वहीं शाम करीब 4:30 बजे संगठन की ओर से 6 सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम अंकित शुक्ला को सौंपा गया। जिस पर एसडीएम ने उनकी मांगों को संबंधित विभागों तक पहुंचा कर जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसान यूनियन कार्यकताओं ने धरना प्रदर्शन खत्म कर दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में सातवीं की छात्रा लापता

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र से बीते दिनों कक्षा 7 की छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। सरोजनी नगर के गिंदन खेड़ा स्थित आनंद विहार कॉलोनी निवासी मुकेश सिंह के मुताबिक उनकी 17 वर्षीय बेटी महक सिंह पास के एक निजी स्कूल में कक्षा 7 की छात्रा है। मुकेश का कहना है कि बीती 22 जून को महक दोपहर करीब 2:30 बजे अचानक घर से बिना बताए कहीं चली गई। मुकेश का कहना है कि उनकी बेटी महक की मानसिक स्थिति खराब चल रही है। काफी देर बाद भी महक के वापस न लौटने पर रिश्तेदारों और परिचितों के यहां उसकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन महक का कहीं कोई अता-पता नहीं चल सका। इसके बाद मुकेश ने मामले की तहरीर पुलिस को दी। फिलहाल पुलिस ने मुकेश की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के सहारे किशोरी की तलाश कर रही है।

आनंद द्विवेदी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश पदाधिकारियों की नई टीम की घोषणा किए जाने पर भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। आनंद द्विवेदी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व एवं प्रदेश संगठन द्वारा घोषित नई टीम अनुभवी, समर्पित एवं कर्मठ कार्यकताओं का सशक्त समूह है। सभी पदाधिकारियों के संगठनात्मक अनुभव और कार्यशैली से भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में और अधिक सशक्त होगी तथा संगठन को नई ऊर्जा एवं गति मिलेगी।

प्रदेश उपाध्यक्षः सुरेश राणा, सत्यपाल सैनी, ब्रज बहादुर, डॉ. प्रमेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल, देवेश कोरी, प्रियंका रावत, दुर्विजय शाक्य, रमेश सिंह, नीरज सिंह, अर्चना मिश्रा, पूजा पाल, शंकर गिरी, कामेश्वर सिंह, डॉ.

कृतिका अग्रवाल, सुरेश मौर्य, राजेश यादव, कृष्ण बिहारी राय एवं आलोक गुप्ता। प्रदेश महामंत्रीः रामप्रताप सिंह चौहान, गीता शाक्य, अभिजात मिश्रा, उपेंद्र रावत, संजय राय, शंकर लोधी, दिलीप पटेल एवं राजेश चौधरी। प्रदेश मंत्रीः विजय शिवहरे, बसंत त्यागी, शिवभूषण सिंह, सहजानंद राय, अंकुर शर्मा, अनिल यादव, अवधेश श्रीवास्तव, विजय राजभर, प्रमेन्द्र जांगड़ा विश्वकर्मा, किरण लोधी निषाद, राकेश बिंद, संचिता सिंह चौहान (लुनिया), रजनी पांडेय, राहुल वाल्मीकि, महायशा नागर, दीपमाला संतोषी, सुहासिनी जायसवाल, यशेंद्र शर्मा एवं आकांक्षा सोनकर।

भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश द्वारा घोषित नई प्रदेश टीम के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ नेता एवं संगठन के समर्पित कार्यकर्ता डॉ. नीरज सिंह को भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर भाजपा लखनऊ लखनऊ के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं में हर्ष और उत्साह का माहौल है। उन्होंने बताया कि डॉ. नीरज सिंह ने वर्ष 2002 से एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। 24 वर्षों के उनके संघर्ष, सेवा, समर्पण एवं संगठन के प्रति निष्ठा का यह सम्मान है।

भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने आपातकाल प्रदर्शनी का किया अवलोकन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आपातकाल की 51वीं बरसी पर 'संविधान हत्या दिवस' के अवसर पर लखनऊ स्थित लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ आपातकाल से जुड़ी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने आपातकाल के दौर में लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों पर हुए प्रहार से जुड़े विभिन्न दस्तावेजों, चित्रों एवं ऐतिहासिक तथ्यों का अवलोकन किया। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था, जिसे देश कभी भूल नहीं सकता। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और संविधान के प्रति जनजागरण के उद्देश्य से ऐसे आयोजनों का विशेष महत्व है। कार्यक्रम में महामंत्री घनश्याम दास अग्रवाल, सतेंद्र सिंह , उपाध्यक्ष विनायक पांडेय, सौरभ वाल्मीकि, दीपक शुक्ला, अग्रवाल, आनंद पांडेय, टी आर जोशी, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रयागराज में सर्वाधिक 1.69 लाख छात्रों को मिली स्कॉलरशिप

पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए वरदान बनी दशमोत्तर छात्रवृत्ति

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार प्रभावी कार्य कर रही है। खासतौर पर पिछड़े वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में योगी सरकार की छात्रवृत्ति योजनाएं बेहद कारगर साबित हुई हैं। सरकार की पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योजना लाखों छात्रों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर उभरी है। लाभार्थियों की संख्या के मामले में प्रयागराज जिला पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर रहा है।

प्रयागराज में सबसे ज्यादा 1.69 लाख से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ मिला है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का मजबूत आधार दे रही है। योगी सरकार की इस पहल से लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिला है और छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का मार्ग आसान हुआ है। वर्ष 2025-26 में पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत करीब 27 लाख से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई है। प्रयागराज में 1,69489 छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ मिला है। प्रयागराज के बाद गाजीपुर जिला दूसरे स्थान पर रहा है, जहां 1.34 लाख से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई है।

वहीं आजमगढ़ में 1.19 लाख से ज्यादा छात्रों को लाभ मिला है। इसी तरह जौनपुर में 1.15 लाख से अधिक छात्रों को योजना का लाभ मिला है, जबकि वाराणसी में 88,859 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। यह आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में छात्रवृत्ति योजना व्यापक स्तर पर प्रभाव छोड़ रही है।

छात्रवृत्ति वितरण के आंकड़ों पर नजर डालें तो कक्षा 11-12 में 4,72,764 छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। जबकि 3,80,667 छात्रों और 2 ट्रांसजेंडरों को भी छात्रवृत्ति दी गई है। वहीं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 10,01,084 छात्राओं, 9,31,906 छात्रों और 8 ट्रांसजेंडरों को छात्रवृत्ति का लाभ दिया गया है। दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना केवल इंटरमीडिएट स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि उच्च शिक्षा और प्रोफेशनल कोर्स तक को कवर करती है।

कक्षा 11 और 12 के छात्रों के साथ-साथ बीटेक, एमबीबीएस, एमबीए जैसे प्रोफेशनल कोर्स तथा बीए, बीएससी, बीकॉम, आईटीआई और पॉलिटेक्निक जैसे पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों को भी इसका लाभ दिया जा रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर देना है। जिन छात्रों के अभिभावकों की वार्षिक आय 2 लाख रुपये या उससे कम है, उन्हें योजना का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में योगी सरकार ने छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और सरल बनाया है।

आरएसएस, बीजेपी को जनता सबक सिखायेगी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आज लखनऊ के इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग और एससी विभाग के संयुक्त तत्वाधान देश के इतिहास में दलित, पिछड़े और वँचित तबकों के लिए आरक्षण की नींव रखने वाले महापुरुष राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज जी की जयंती आरक्षण दिवस : जितनी आबादी, उतना हक मनाया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिन्द ने कहा कि जिस तरह शाहूजी महाराज ने समाज में मौजूद जाति-पाति, ऊँच-नीच, पाखंड -अंधविश्वास और महिला शोषण को महसूस कर उनके लिए न्याय, शिक्षा और भागीदारी पर ऐतिहासिक कार्य किया। उसी तरह आज कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गाँधी

जी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी जी भी आज देश में सभी वर्गों को आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी दिलाने की मांग लगातार कर रहे हैं।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एससी डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि बीजेपी की सरकार द्वारा देश की संस्थाओं के माध्यम से हमें मानसिक और आर्थिक गुलाम बनाने की नीतियों को समय समय पर पहचान कर उसके खिलाफ आवाज उठाना पड़ेगा। अपने सम्बोधन में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने देश में धार्मिक नफरत और लूट को उजागर करते हुए आरएसएस बीजेपी को चेताया कि राम मंदिर में हुए चढ़ावा लूट की वजह से जनता में आक्रोश है और आगामी 2027 विधानसभा में जनता भगवान के घर में डकैती के पाप के लिए आरएसएस बीजेपी को सबक सिखाएगी। बिधायक वीरेंद्र चौधरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आरएसएस बीजेपी सरकार जातिगत जनगणना का कार्य समय से पूरा कर आबादी के अनुपात में आरक्षण का काम आगे बढ़ाए। ताकि देश की सभी संस्थाओं में सभी वर्गों को आबादी के अनुपात में नौकरी और सभी संसाधनों में हिस्सेदारी तय हो सके। तभी देश का विकास संभव है। सीतापुर सांसद राकेश राठौर जी ने कहा कि आरएसएस बीजेपी के साथ गठबंधन में काम कर रहे ओबीसी के नेता समाज को गिरवी रखकर पद और पैसे कमा रहे हैं और समाज के हक अधिकार जड़ से खत्म करने में आरएसएस बीजेपी की मदद कर रहे हैं।

यूपी में एआरपी व्यवस्था का होगा पुनर्गठन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार और निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अकादमिक रिसोर्स पर्सन्स (एआरपी) व्यवस्था का व्यापक पुनर्गठन किया है। नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक विकासखंड में पांच चयनित एआरपी और एक नामित डायट मेंटर मिलकर छह सदस्यीय अकादमिक सहायता टीम का गठन करेंगे, जो विद्यालयों में शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं को मजबूत बनाने और शिक्षकों को सतत शैक्षणिक सहयोग प्रदान करने का कार्य करेगी।

हर ब्लॉक में बनेगी अकादमिक टीम

अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के हस्ताक्षर से जारी शासनादेश में एआरपी के चयन, प्रशिक्षण, मूल्यांकन, कार्यदायित्व और जवाबदेही संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। शासनादेश के अनुपालन में स्कूल शिक्षा महानिदेशक एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को जुलाई माह तक रिक्त एआरपी पदों पर चयन प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। नई व्यवस्था में एआरपी चयन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और समावेशी बनाया गया है। अब सेवानिवृत्ति में केवल पांच वर्ष शेष रहने वाले शिक्षक भी एआरपी पद के लिए आवेदन कर सकेंगे, जबकि पहले इसके लिए कम से कम 10 वर्ष की सेवा शेष होना अनिवार्य था। इसके साथ ही अब किसी भी विषय के परिषदीय शिक्षक आवेदन के पात्र होंगे। पूर्व में केवल कुछ चयनित विषयों के शिक्षकों को ही आवेदन की अनुमति थी। चयन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए माइक्रो टीचिंग प्रदर्शन की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। अब चयन केवल लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। जिला स्तर पर गठित चयन समिति पूरी प्रक्रिया का संचालन करेगी।

नई एआरपी टीम का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाना, शिक्षकों को अकादमिक मार्गदर्शन प्रदान करना और विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में सुधार लाना होगा।

एआरपी आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन), गतिविधि आधारित शिक्षण, टीएलएम के प्रभावी उपयोग, प्रिंट-रिच वातावरण और बेहतर कक्षा प्रबंधन को बढ़ावा देने का कार्य करेंगे। साथ ही शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण तकनीकों और डिजिटल संसाधनों के उपयोग के लिए भी प्रशिक्षित करेंगे। प्रदेश सरकार निपुण भारत मिशन को बालवाटिका से कक्षा पांच तक विस्तारित करने की दिशा में कार्य कर रही है। ऐसे में एआरपी की नई व्यवस्था विद्यालय स्तर तक शैक्षणिक सहयोग पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भाजपा सरकार कोचिंग बंदी ले आई : अखिलेश यादव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार कोचिंग बंदी ले आई।

भाजपा अपना भ्रष्टाचार छिपाने के लिए जनता को सुरक्षा मानकों के नाम पर परेशान कर रही है। माना सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए लेकिन क्या पिछले 10 साल से सरकार सो रही थी।

सरकार के पास 1 दिन में इतना स्टॉफ कहाँ से आया कि पूरे प्रदेश में हजारों लोगों को जाँच के बाद नोटिस थमा दिया गया।

सच्चाई ये है कि अब सुरक्षा मानकों और अनुमति आदि के नाम पर करोड़ों की उगाही का खेल शुरू हो गया है। भाजपाई आपदा में सम्पदा ढूँढ लेते हैं। श्री यादव ने कहा कि कोचिंग संस्थानों को बंद करने से, उन लाखों बच्चों का क्या होगा जो तैयारी कर रहे हैं। इससे अच्छा तो नोटिस देकर सुरक्षा मानकों के लिए तुरंत व्यवस्था करने के निर्देश दिए जाएं, जिससे किराये पर रह रहे बच्चों के कोर्स समय पर खत्म हो सकें। इस तरह की कोचिंग बंदी से तो महंगाई से परेशान लोगों के खर्चे और भी बढ़ जाएंगे। उन्होने कहा कि भाजपा अगर अपनी भ्रष्टाचार बंदी कर दे तो हर समस्या का हल निकल आए। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी चरम पर हैं इस सरकार में कोई विभाग और क्षेत्र भ्रष्टाचार से अछूता नहीं है।

संक्षेप

श्रद्धा भक्ति व उल्लास के साथ संपन्न हुआ माता रानी का वार्षिकोत्सव

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के मोहल्ला चौधराना स्थित प्राचीन मां संकटा देवी मंदिर में गुरुवार को माता रानी का वार्षिकोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा तथा श्रद्धालुओं की भारी भीड़ माता के दर्शन एवं पूजन-अर्चन के लिए उमड़ी। कार्यक्रम के आयोजक चौधरी आशीष कुमार सिंह ह्यगोलूह्ल ने विधि-विधान से मां संकटा देवी का पूजन-अर्चन कर उन्हें चुनरी अर्पित की तथा परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। जिससे पूरा परिसर दिव्य एवं आध्यात्मिक आभा से आलोकित दिखाई दे रहा था। वार्षिकोत्सव के अवसर पर माता रानी को छप्पन भोग अर्पित किया गया। इसके उपरांत श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। सायंकाल आयोजित भव्य महाआरती में श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ भाग लिया। आरती के दौरान जयकारों और भक्ति गीतों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर ओम नारायण श्रीवास्तव, अखिलेश चौधरी, बड़े चौधरी, कमल गुप्ता व सुदामा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने मां संकटा देवी से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की।

जेई एसडीओ की अफसरशाही लाईनमैन को पडी.भारी मेडिकल पर गये लाईनमैन को दे दी पूरी छुट्टी

पाटन, उन्नाव। भगवंत नगर पावर हाउस में जेई व एसडीओ की अफसरशाही ने एक लाईनमैन आदित्य दीक्षित की नौकरी पर पूर्णविराम लगा दिया है। लाईनमैन आदित्य दीक्षित का कहना है कि मैं 20 अप्रैल 2026 को हार्निया का ऑपरेशन कराने के लिए 1 महीने की मेडिकल लीव पर गया था। लेकिन ऑपरेशन समय पर न होने के कारण हमें ठीक होने मे टाइम ज्यादा लग गया और जब मैं दोबारा ड्यूटी के लिए जेई अविहास श्री वास्तव भगवंतनगर के पास गया तो उन्होंने हमें भगा दिया और बोले अपनी वर्ल्ड क्लास कम्पनी से बात करो पीड़ित ने जब अपनी कम्पनी के अविरल सिंह से बात की तो उन्होंने जेई और एसडीओ से बात करने को कहकर फोन काट दिया और दोबारा फोन उठाना उचित नही समझा पीड़ित कई दिनों से जेई और एसडीओ के सामने गिड़गिडा.रहा है लेकिन उसे वहां से भगा दिया जाता है इस बारे मे जब एक पत्रकार साथी ने जेई अविहास श्री वास्तव से बात करनी चाही तो जेई के तेवर सातवें आसमान पर दिखे और पत्रकार से ही गुस्से में बोले कि लाईनमैन ने इस्तीफा दिया था लेकिन जब इस्तीफे की कॉपी मांगी गई तो उन्होंने देने के लिए साफ इंकार कर दिया और झुझलाते हुए बोले कि हम सारी चीजे कोर्ट लेकर जायेंगे यहां तक कि पीड़ित का पीएफ और ईएसआई अभी भी कट रहा है। भगवंतनगर पावर हाउस से एक आख्या सामने आयी है। जिसमें धीरेन्द्र सिंह अवर अभियंता द्वारा लाईनमैन की 15 दिन की छुट्टी का भी जिक्र किया गया है जबकि लाईनमैन का कहना है कि धीरेन्द्र सिंह दूसरे क्षेत्र को देखते हैं। दर दर की ठोकरें खाने के बाद पीड़ित ने उपजिलाधिकारी बीघापुर से न्याय की गुहार लगाई है।

नवीन पुल की जद में आ रहे मकानों को गिराने का अभियान जारी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज क्षेत्र में बन रहे नवीन पुल की जद में आ रहे मकानों को गिराने का अभियान लगातार जारी है। राजस्व विभाग और सेतु निगम की संयुक्त कार्रवाई में अब तक 10 मकानों को पोकलैंड मशीन से ध्वस्त किया जा चुका है।

गुरुवार को भी इस अभियान के दौरान तीन मकानों को ढहा दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि शेष मकानों को हटाने की कार्रवाई भी जल्द ही पूरी कर ली जाएगी। मिश्रा कॉलोनी इलाके में नवीन पुल निर्माण के चलते कुल 38 मकान प्रभावित हो रहे थे। इन भवन स्वामियों को प्रशासन की ओर से पहले ही मुआवजे के चेक का भुगतान किया जा चुका है। इसके साथ ही मकान खाली करने के लिए नोटिस भी जारी किए गए थे राजस्व विभाग की ओर से रविवार से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई थी। शुरूआत में जेसीबी मशीन से मकानों को तोड़ने का काम कराया गया, लेकिन लगातार दो दिनों तक काम करने के बाद जेसीबी मशीन खराब हो गई। इसके बाद प्रशासन ने पोकलैंड मशीन लगाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी।गुरुवार सुबह राजस्व विभाग के लेखपाल आशू श्रीवास्तव, फाजिल अंसारी और सेतु निगम के जेई कुंदन की मौजूदगी में तीन मकानों को गिराया गया। अधिकारियों के अनुसार, अब तक कुल 10 मकानों को ध्वस्त किया जा चुका है, जबकि 28 मकान अभी शेष हैं। इन भवनों को हटाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सभी प्रभावित भवन स्वामियों ने अपने मकान खाली कर दिए हैं। लोग अपने घरों से गृहस्थी का सामान पहले ही दूसरी जगह ले जा चुके हैं। कई लोग मकानों के दरवाजे, खिड़कियां और अन्य उपयोगी सामान भी अपने साथ ले जा रहे हैं।

घटना के चार दिन बाद कार चोरी का दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। पुलिस चौकी से करीब 400 मीटर दूर मुख्य सड़क मार्ग किनारे घर के दरवाजे से कार चोरी के संबंध में पीड़ित द्वारा उच्च अधिकारियों से गुहार लगाने पर चार दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है। कस्बा गंजमुरादाबाद निवासी राशिद पुत्र साजिद चौकी परिसर से करीब 400 मीटर दूर मुख्य हरदोई उन्नाव मार्ग किनारे अपने घर में रहते है सुरक्षा के लिहाज से यह इलाका पुलिस चहलदमी बनी रहने से सुरक्षित माना जाता है किंतु बीते 20 जून को मध्य रात करीब उसके दरवाजे से एक कार व उसमें रखा करीब 2 लाँख रुपए कीमत का कपड़ा कार सहित चोरी कर लिया गया इस घटना के बाद पीड़ित ने 20 जून को पुलिस को तहरीर देकर सी सी टीवी फुटेज में बाइक से आए चोरो के दिखाई देने की बात बताते हुए कार्यवाही की गुहार लगाई गई।किंतु जब कई दिनों तक कुछ कार्यवाही नहीं हुई तो पीड़ित ने गृह एवं गोपन विभाग सहित अन्य जगहों पर ऑनलाइन शिकायत की गई जिसके बाद घटना से चार दिन बाद 24 जून को रिपोर्ट दर्ज की गई है।पुलिस कार्यवाही में जुटी हुई है।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद खुले विद्यालय लौटी रौनक

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। जनपद में पड़ रही भीषण गर्मी और उमस के बावजूद बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालय बच्चों की खिलखिलाहट से गुलजार हो गएग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद खुले विद्यालयों में फिर से रौनक लौट आयी, हालांकि शिक्षक बाइस जून से नियमित रूप से आने लगे थे कम्पोजिट स्कूल रनियाँमऊ के शिक्षक अमित तिवारी ने बताया छुट्टियों के बाद अब पठन पाठन प्रारंभ हो गया हैपहले दिन बच्चों की संख्या कम ही रहीइस बार निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नियमित मूल्यांकन पर विशेष जोर रहेग इस दौरान विद्यालय में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया जिसमें ग्राम प्रधान राम शंकर, अमित तिवारी, देवेन्द्र त्रिपाठी, अनूप साहू, राहुल सिंह, नीरज प्रजापति, राधा देवी, सरोजनी, हेमामालिनी, सुदेवी आदि उपस्थित रहे विभागीय अधिकारियों के अनुसार सत्र 2026-27 से बच्चों को हर दिन कुछ नया सीखने को मिलेगोबेसिक शिक्षा परिषद द्वारा इसके लिए अकैडमिक कैलेंडर जारी किया गया है इसके अलावा सामान्य ज्ञान बढ़ाने के लिये बच्चों को अखबारों से भी जोड़ा जाएगोउन्हें नए एवं पुराने अखबारों की उपयोगिता, समाचारों की समझ और उनसे जुड़ी चचाओं के माध्यम से जागरूक किया जाएग

दो डंपरों की आपस में टक्कर एक चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नवाबगंज कस्बे के बाईपास स्थित कानपुर-लखनऊ हाईवे पर दो डंपरों की टक्कर में एक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक क्षतिग्रस्त केबिन में फंस गया, जिसे पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार, हाईवे पर आगे चल रहे एक अज्ञात डंपर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे पीछे आ रहा डंपर अनियंत्रित होकर उससे जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीछे वाले डंपर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया।

घायल चालक की पहचान दिलीप मौर्य (33) पुत्र स्व. रामसरन निवासी कल्ली पश्चिम कटे भीट, थाना पीजीआई, लखनऊ के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दूसरे वाहन की सहायता से क्षतिग्रस्त डंपर को खींचकर चालक को बाहर निकाला।

घायल चालक को तत्काल एंबुलेंस से सीएचसी नवाबगंज भेजा गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। हादसे के कारण हाईवे की एक लेन पर कुछ समय तक यातायात प्रभावित रह।

बाद में पुलिस ने क्षतिग्रस्त डंपर को सड़क किनारे हटवाकर यातायात सुचारु कराया।

डंपर से बचने को अनियंत्रित लोडर पलटा, एक की मौत, तीन घायल

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के सुमेरपुर-बक्सर मार्ग पर गुरुवार को सामने से आ रहे डम्फर से बचाव करते समय अनियंत्रित होकर पिकप लोडर खंती मे पलट गया। लोडर मे बैठे एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं तीन लोगों को गम्भीर हालत मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नया पुरवा (मजरा दोदरा, थाना गाजीपुर जिला फतेहपुर) के निवासी कुछ लोग सब्जी (घुईया) बेचने के लिए लखनऊ गए थे। गुरुवार दोपहर करीब 1:05 बजे जब वे पिकअप से वापस अपने गांव लौट रहे थे, तभी भदिहा मोड़ स्थित नहर पुल के पास चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई।

दुर्घटना में पिकअप के अंदर बैठे प्रेमसागर (65) पुत्र सूरजदीन लोधी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में गम्भीर रुप से घायल मान सिंह, सियाराम व मनीष मौर्य को सुमेरपुर स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जबकि विपिन, जयकरन, पंकज आदि मामूली रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंच उपजिलाधिकारी रनवीर ने पीएचसी सुमेरपुर पहुंच कर घायलों का जायजा लिया।

इस सम्बन्ध मे थाना प्रभारी राहुल? सिंह गौर ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। पिकअप लोडर चालक लोडर लेकर भाग गया है। तलाश की जा रही है।

पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बारासगवर में रानीगंज थाना काकादेव, कानपुर के निवासी राकेश भाटिया ने तहरीर देकर बताया था कि उसके बेटे आशुतोष भाटिया उर्फ आशू की शादी यामिनी शर्मा (भाटिया) पुत्री तपेश शर्मा नि० फरीदाबाद से दिनांक 22 जनवरी 2017 को हुई थी। शादी के बाद से ही यामिनी शर्मा भाटिया, उसके भाई हिमांशू शर्मा उर्फ भूपेश, दीपक शर्मा उर्फ बिल्लू मेरे पुत्र को गाली गलौज कर, मार पीट कर प्रताडित करते रहते है। मेरे पुत्र के साथ कई बार मार पीट की गयी और झूठे मुकदमों में फँसाने की धमकी दी। जिससे परेशान होकर मेरे पुत्र ने 03 अप्रैल को थाना बारासगवर क्षेत्रान्तर्गत बक्सर नमामि गंगे घाट के किनारे बैठकर जहर खा कर अपनी जान दे दी। इस मामले में बारासगवर पुलिस ने मु0अ0सं0 54/2026 धारा 3(5)/115(2)/352/108/351(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। गुरुवार को थाना बारासगवर के उ०नि० महताब सिंह व का०पवन ने दीपक शर्मा को आजाद मार्ग चौराहा थाना क्षेत्र अचलगंज से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

कॉलेज के प्रबंधक की पुण्य तिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। प्रख्यात शिक्षाविद, पूर्व संस्कृत प्रवक्ता एवं राम रानी देवी चौरसिया स्कूल के संस्थापक स्व० प्रेम नारायण चौरसिया की दूसरी पुण्यतिथि पर क्षेत्रीय गणमान्यों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए गये। परिजनों के साथ-साथ विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने भी उनके कृतित्व पर प्रकाश डाला।

बुधवार की सायं स्थानीय राम रानी देवी चौरसिया पब्लिक स्कूल में संस्थापक एवं बी० ए० ए० एस० इं० कालेज पुरवा के पूर्व संस्कृत प्रवक्ता स्मृतिशेष प्रेम नारायण चौरसिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भेंटकर उनके शुभचिंतकों व परिजनों ने उन्हें नमन किया। उनके ज्येष्ठ पुत्र शिवम चौरसिया ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि चौरसिया बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्हें संस्कृत विषय के साथ हिंदी, गणित व अंग्रेजी विषय पर भी महारत हासिल था। इसके साथ ही वह संगीतज्ञ, हारमोनियम वादक व शास्त्रीय संगीत में अच्छी पकड़ रखते थे। उन्होंने एक आत्मकथा ₹मेरा जीवन संघर्ष₹ नामक पुस्तक भी लिखी तथा रामलीला मंचन में निशुल्क जनक जी का लम्बे अरसे तक उम्दा व जीवंत अभिनय भी किया था।

भारतीय चौरसिया महासभा एवं अपना दल एस युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय चौरसिया ने कहा कि बाबू जी से हम लोगों को सदैव समाजसेवा व शैक्षणिक सहयोग की प्रेरणा मिलती रही। चंदौली से प्रदेश अध्यक्ष पारसनाथ चौरसिया ने कहा कि बाबू जी हम सभी का मार्गदर्शन करते थे और उन्होंने अपने 40 साल के शैक्षणिक जीवन में छात्रों को संस्कारित शिक्षा प्रदान की। बार एसोसिएशन उन्नाव के पूर्व अध्यक्ष सतीश शुक्ल ने कहा कि बाबू जी सदैव हम सभी को नई ऊर्जा के साथ प्रेरित करते थे। इस दौरान उनके सुपुत्रों में शुभम चौरसिया व रत्नम चौरसिया एडवोकेट, बहुओं में पूनम चौरसिया, प्रियंका, गुड़िया समेत सभी परिजनों व आए हुए गणमान्यों ने भी श्रद्धांजलि देकर उनके सराहनीय कृतित्व को नमन किया। कार्यक्रम में विमल बाजपेई, अर्जुन सोनी, आशु जायसवाल, कमलेश कुमार, डी० के० मिश्र, अवधेश चौरसिया, शिवकुमार चौरसिया, गोवर्धन चौरसिया, आलोक चौरसिया, आशीष सिंह, दिलीप चौरसिया, लवकुश चौरसिया, दिन्नू चौरसिया, महेश, दिनेश, कमलेश, सर्वेश, नीरेश, मदन चौरसिया, राजू चौरसिया, पथिक पाण्डेय, विनय, कुलदीप शुक्ल समेत सैकड़ों की संख्या में उनके शुभचिंतक उपस्थित रहे।

सुखे पड़े तालाब बूंद बूंद पानी को तरस रहे पशु पक्षी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। थाना क्षेत्र ग्राम गोदंरी माजरा उतमानपुर में गर्मी के कड़क तेवरों के बावजूद गांवों में तालाब नहीं भरवाये गये। हालांकि कागजों में अधिकारी इन तालाबों को पानी से लबालब दिखा रहे हैं। अफसरों की उदासीनता ने पशुओं व पक्षियों के लिए आफत खड़ी कर दी है। गांवों में अन्ना पशु पक्षियों को पानी की तलाश में दूर दूर तक घूमते रहते हैं। धूप में कड़ी मशक्कत करने के बाद भी उन्हें बूंद बूंद पानी नसीब नहीं होता है। मजबूरी में पशु पक्षियों को गांव के नाबदानों का गंदा पानी पीकर प्यास बुझाते हैं। दिन प्रति दिन गर्मी की प्रचंडता कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब तो पानी बरसने के बाद ही पशुओं पक्षियों को राहत मिल सकती है। गांव में पशु पक्षी नालियों का गंदा पानी पीकर अपनी प्यास बुझाते हैं। प्रशासन की ओर से पशुओं पक्षियों के लिए तालाबों में पानी भरवाने का आदेश भी किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने फांसी लगाकर की आत्म हत्या

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के बजेहरा गांव में गुरुवार सुबह एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 35 वर्षीय छेदी लाल के रूप में हुई है, जो मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी मौत से पत्नी और छह बच्चों पर संकट आ गया है।जानकारी के अनुसार, छेदी लाल पुत्र स्वर्गीय जगदेव अपने परिवार के साथ बजेहरा गांव में रहते थे। गुरुवार सुबह उन्होंने घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली। काफी देर तक जब परिजनों को उनकी जानकारी नहीं मिली, तो तलाश शुरू की गई। इस दौरान उन्हें फंदे से लटका हुआ पाया गया।परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को जानकारी दी गई। सोहरामऊ थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी।पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया। आत्महत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है।ग्रामीणों के मुताबिक, छेदी लाल अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी संभालते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटियां और तीन बेटे हैं। पिता की अचानक मौत से बच्चों और परिजनों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।थानाध्यक्ष अरविंद पांडे ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, परिजनों से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में घर में लगी आग महिला की जलकर मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मौरावां कस्बा के पुरानी बाजार इलाके में बीती रात उस समय चीख-पुकार और हड़कंप मच गया, जब एक बंद मकान से अचानक आग की ऊंची-ऊंची लपटें और धुएं का गुबार उठने लगा। इस भीषण अग्निकांड में घर के भीतर अकेली रह रही 45 वर्षीय महिला उर्मिला की जिंदा जलकर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि पति से चल रहे घरेलू विवाद से तंग आकर महिला ने आत्मदाह जैसा आत्मघाती कदम उठाया है। मिली जानकारी के मुताबिक, कस्बा मौरावां के पुरानी बाजार निवासी जगदीश साहू का अपनी पत्नी उर्मिला से पिछले कई महीनों से गंभीर विवाद चल रहा था। दोनों के बीच मनमुटाव इस हद तक बढ़ चुका था कि पति जगदीश अपने दो बच्चों को लेकर ठीक बगल वाले दूसरे मकान में शिफ्ट हो गया था, जबकि उर्मिला इस घर में बिल्कुल अकेली रह रही थी।बताया जा रहा है कि गुरुवार रात करीब एक बजे के आसपास मकान के भीतर संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घर के अंदर अकेली होने के कारण उर्मिला को बाहर निकलने या मदद की गुहार लगाने का मौका तक नहीं मिल सका और वह आग की लपटों के बीच जिंदा घिर गई। जब तक आस-पास के पड़ोसी जुटते और राहत-बचाव का काम शुरू होता, तब तक उर्मिला पूरी तरह झुलस चुकी थी।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर तफ्तीश शुरू की। स्थानीय गलियारों में चर्चा है कि पति से लगातार चल रहे कलेश और मानसिक तनाव के कारण ही महिला ने खुद को आग के हवाले कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। आग लगने के असल कारणों की हर एंगल से बारीकी से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों के बयानों के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी।

अनियंत्रित कार पुलिया से नीचे गिरी दंपति समेत मासूम घायल

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के मोहान औरास मार्ग घूरामऊ पुलिया पर बुधवार देर क्षतिग्रस्त पुलिया से कार अनियंत्रित होकर नीचे गहरे पानी में जा गिरी।जिससे कार सवार दंपति में चालक दीपक 32 वर्ष निवाशी चकेरी कानपुर व पत्नी रश्मि सहित छोटा बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए।घायल की सूचना पर पहुंची पीआर वी ने एम्बुलेंस से औरास सीएचसी भर्ती कराया जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर दंपति को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि घायलों को औरास सीएचसी भर्ती कराया गया था जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

अज्ञात लोडर वाहन की टक्कर से बुलेट सवार युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 40 वर्षीय किसान अमन कुमार उर्फ पिंटू यादव की मौत हो गई। यह घटना बुधवार रात सुब्बाखेड़ा गांव के पास हुई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, पदमरा गांव निवासी अमन कुमार पुत्र फूल सिंह चपरी गांव में आयोजित एक भंडारे में शामिल होने गए थे। भंडारे से बुलेट बाइक से घर लौटते समय सुब्बाखेड़ा गांव के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात लोडर वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।हादसे में अमन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।मृतक अमन कुमार खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में दो भाई और एक बहन हैं। अमन कुमार अपने पीछे पत्नी और 10 वर्षीय बेटे अंकित को छोड़ गए हैं।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष सुब्रत नारायण ने बताया कि यह हादसा किस वाहन से और किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ब्वॉयफ्रेंड को लेकर मौसी व भांजी के बीच जमकर हुई मारपीट

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मौसी और भांजी आपस में रोड पर भिड़ गईं। एक दूसरे को सड़क पर लिथार-लिथार कर पीटा, बाल नोंचे... गालियां दीं। उनके ब्वॉयफ्रेंड भी आपस में मारपीट कर रहे थे। मामला ये था कि मौसी और भांजी एक दूसरे के ब्वॉयफ्रेंड को मैसेज करती थीं।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवतियों को शांत कराकर अलग किया। इसके बाद दोनों युवकों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। जहां दोनों से पूछताछ की जा रही है। घटना जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर राजधानी मार्ग पर गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की है।

घटना बुधवार रात की है, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में मौसी-भांजी मेन रोड पर एक दूसरे से मारपीट करते दिख रही हैं। पास में उनके ब्वॉयफ्रेंड भी लड़ते दिख रहे हैं। राहगीर तमाशबीन बने हुए हैं।गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में राजधानी मार्ग स्थित सरस्वती टॉकीज के सामने बुधवार रात 9:30 बजे दो युवतियां आपस में बीच सड़क लड़ाई करने लगीं। विवाद इतना बढ़ गया कि सड़क पर जमकर मारपीट हो गई। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जुट गई।

दोनों पक्षों की दो युवतियां और दो युवक आपस में भिड़ गए। युवतियों ने एक-दूसरे के बाल खींचे, जबकि युवकों के बीच भी हाथापाई हुई। सूचना मिलने पर गंगाघाट पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद विवाद शांत कराया। पुलिस ने दोनों युवतियों को घर भेज दिया, जबकि दोनों युवकों को हिरासत में लेकर थाने ले आई।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विवाद मोबाइल पर मैसेज भेजने को लेकर हुआ था। बताया जा रहा है कि पलक मिश्रा और उनकी भांजी आयुषी पांडेय के बीच किसी युवक से बातचीत और मैसेज को लेकर लंबे समय से तनातनी चल रही थी।

बुधवार रात दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिसके बाद आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए और मामला मारपीट तक पहुंच गया। पुलिस के मुताबिक प्रथम पक्ष में नेहरू नगर शुक्लागंज निवासी पलक मिश्रा (30) और सुभाष मिश्रा शामिल थे। वहीं दूसरे पक्ष में पोनी रोड शुक्लागंज निवासी आयुषी पांडेय (26) और कृष्णा तिवारी शामिल थे।

थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया दोनों पक्षों की भूमिका और विवाद की वास्तविक वजह की जांच की जा रही है। दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

होर्मुज को हथियार नहीं बनाएं ऊर्जा आपूर्ति का मार्ग रहने दें

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब होर्मुज जलडमरूमध्य में टोल लगाने की चेतावनी देकर नया तनाव खड़ा कर दिया है। इससे एक बार फिर अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। चूंकि दुनिया के ऊर्जा व्यापार का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज से होकर ही गुजरता है। ट्रंप का यह फैसला खाड़ी देशों के लिए भी परेशानी खड़ी कर सकता है। ऐसा होने पर दुनियाभर के देश ऊर्जा आपूर्ति के लिए दूसरे रास्ते तलाशने शुरू कर देंगे। ट्रंप के बयान ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। उनका तर्क है कि मध्य-पूर्व की सुरक्षा पर अमेरिका ने जो खर्च किया है, उसकी भरपाई इस शुल्क से की जा सकती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग को किसी देश की राजनीतिक या आर्थिक रणनीति का उपकरण बनाया जा सकता है? होर्मुज जलडमरूमध्य केवल एक समुद्री रास्ता नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन है। दुनिया के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी संकरे जलमार्ग से होकर गुजरता है। खाड़ी देशों से निकलने वाला कच्चा तेल एशिया, यूरोप और दुनिया के कई हिस्सों तक इसी रास्ते पहुंचता है। यदि यहां किसी प्रकार का अवरोध, टोल या सैन्य तनाव पैदा होता है तो उसका असर केवल क्षेत्रीय देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अमेरिका यदि सुरक्षा खर्च के नाम पर यहां टोल लगाने की कोशिश करता है तो यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों और मुक्त व्यापार व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करेगा। समुद्री मार्ग किसी एक देश की जागीर नहीं होते। वे वैश्विक संपदा हैं, जिनका उपयोग अंतरराष्ट्रीय नियमों और पारस्परिक सहमति के आधार पर होता है। यदि शक्तिशाली देश अपनी सैन्य ताकत के आधार पर ऐसे मार्गों पर शुल्क लगाने लगे तो भविष्य में अन्य रणनीतिक समुद्री मार्गों पर भी इसी प्रकार के दावे सामने आ सकते हैं। इससे वैश्विक व्यापार व्यवस्था में अस्थिरता बढ़ेगी। खाड़ी देशों के लिए भी यह स्थिति चिंता का विषय है। उनकी अर्थव्यवस्था बड़े पैमाने पर ऊर्जा निर्यात पर निर्भर करती है। अतिरिक्त शुल्क या राजनीतिक अनिश्चितता उनके निर्यात को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि क्षेत्र के अधिकांश देश चाहते हैं कि होर्मुज विवाद और शक्ति प्रदर्शन का मंच न बने, बल्कि सुरक्षित और निर्बाध समुद्री मार्ग बना रहे। भारत के लिए यह मुद्दा और भी अधिक महत्वपूर्ण है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। भारतीय तेल टैंकरों का सुरक्षित रूप से होर्मुज पार करना फिलहाल राहत की बात है, लेकिन यदि क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या टोल जैसी व्यवस्था लागू होती है तो इसका सीधा असर भारत की आयात लागत पर पड़ेगा। महंगा तेल परिवहन, उद्योग और आम उपभोक्ता की जेब पर भी बोझ बढ़ाता है। ऐसे में भारत जैसे विकासशील देशों के लिए ऊर्जा सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय होर्मुज को राजनीतिक दबाव का हथियार बनने से रोके। इसे ऊर्जा आपूर्ति का मार्ग ही रहने दें। दुनिया पहले ही आर्थिक अनिश्चितताओं, महंगाई और क्षेत्रीय संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे में होर्मुज को नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा बनाना किसी के हित में नहीं होगा। बेहतर यही है कि इसे शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि वैश्विक सहयोग और आर्थिक स्थिरता के प्रतीक के रूप में देखा जाए। क्योंकि होर्मुज में पैदा होने वाली हलचल केवल समुद्र तक सीमित नहीं रहती, उसकी लहरें पूरी दुनिया को प्रभावित करती हैं।

अश्लीलता की सजा सिर्फ माफी क्यों?

विचार
डॉ. संजय शुक्ला

एक वह दौर था जब हास्य कवि अपनी कविता से, विदूषक अपनी हूनर से, मिमिक्री आर्टिस्ट अपने हाव-भाव से और फिल्मों के हास्य अभिनेता अपने अभिनय और संवाद से लोगों को गुदगुदाते थे और हंसाते थे। विडंबना है कि आज सोशल मीडिया से लेकर टेलीविजन पर कॉमेडी के नाम पर अश्लीलता और गाली पर ठहाके लग रहे हैं और तालियां पीटी जा रही है। देश में इन दिनों स्टैंडअप कॉमेडियन प्रणीत मोरे के शो पर बवाल मचा हुआ है। इस शो में एक 22 साल के वेब डेवलपर हिमांशु जांगड़ा के 370 रुपए के बिरयानी के बदले अपने गर्लफ्रेंड से सेक्सुअल फेवर के जरिए पैसे वसूल पर मचा बवाल शांत भी नहीं हुआ था कि इसी शो से जुड़ा एक विवाद सामने आ गया। विवाद के केंद्र में मुंबई के केईएम अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के एक मेडिकल स्टूडेंट सेजल पवार है जिसमें वह शो में बता रही है कि मेडिकल की पढ़ाई के दौरान मानव शव (कैडेवर)का कैसे विच्छेदन (डिसेक्शन) किया जाता है? इस बीच वह पुरुष जननांग को लेकर मजाक करते दिखाई देती है।

शर्मनाक यह कि शो के होस्ट प्रणीत मोरे और मेडिकल छात्रा के बीच हो रहे इस बेहुदा और आपत्तिजनक बातचीत के दौरान शो में शामिल लोग जोर से हंसने लगते हैं। दूसरी ओर शो के होस्ट मानव शव के बारे में किए जा रहे फूहड़ कमेंट को रोकने के बजाय स्टूडेंट को उकसाते नजर आते हैं। अलबत्ता उक्त दोनों वीडियो के वायरल होने के बाद एक ओर जहां हिमांशु जांगड़ा को उनके कंपनी से नौकरी से निकाल दिया है वहीं दूसरी ओर मेडिकल स्टूडेंट को केईएम अस्पताल प्रबंधन ने 15 दिनों के जबरिया छुट्टी पर भेज दिया है। सोशल मीडिया पर इस शो के दोनों वीडियो वायरल होने के बाद यूजर्स से लेकर जन सामान्य में काफी तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है। महाराष्ट्र पुलिस के साइबर सेल और गुरुग्राम पुलिस ने प्रणीत मोरे, हिमांशु जांगड़ा और मेडिकल छात्रा सेजल पवार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इस मामले पर सख्ती बरतते हुए प्रणीत और हिमांशु को आयोग के सामने पेश होने का आदेश दिया है।

अलबत्ता शो पर मचे भारी बवाल के बाद तीनों किरदारों ने सार्वजनिक तौर पर माफीनामा जाहिर किया है बावजूद लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ है। गर्लफ्रेंड को 370 रुपए के बिरयानी के बदले पैसे वसूलने जैसे शर्मनाक हरकत का सार्वजनिक प्रदर्शन सीधे तौर पर लैंगिक उत्पीड़न और महिलाओं के अपमान से जुड़ा मसला है। वहीं दूसरी ओर मेडिकल स्टूडेंट द्वारा मानव शव के बारे में की गई फूहड़ और आपत्तिजनक टिप्पणी सीधे तौर पर मेडिकल एथिक्स और पेशेवर कदाचरण से जुड़ा मुद्दा। कैडेवर के किसी भी अंग के बारे में की गई इस आपत्तिजनक से उन परिजनों के भावनाओं पर आघात पहुंचा है जिन लोगों ने मेडिकल स्टूडेंट्स की पढ़ाई के लिए अपना देहदान किया था।

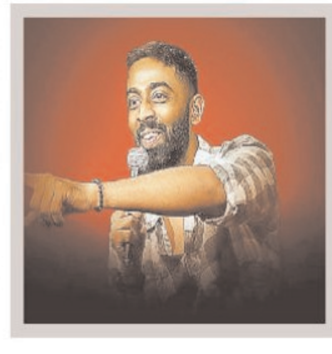

किसी शो में हास्य के नाम पर मेडिकल स्टूडेंट द्वारा मानव शव के बारे में प्रयुक्त आपत्तिजनक भाषा से देहदान जैसे स्तुत्य कार्य के प्रति लोगों में नकारात्मक भाव पैदा होगा। उक्त के दृष्टिगत अहम सवाल यह कि क्या कॉमेडी के नाम पर फूहड़ता भरे शो की सजा संबंधितों द्वारा माफी मांग लेना या शो पर कुछ दिन के लिए बैन लगा देना ही पर्याप्त है? बिलाशक नहीं।

गौरतलब है कि सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में यूट्यूबर्स और इन्फ्लुएंसर्स के बीच विवाद पैदा कर पॉपुलर होने का सनक सवार है जिसके चलते वे किसी भी धर्म, व्यक्ति या महिला समुदाय के प्रति अपमान और फूहड़ता की सारी हदें लांघ रहे हैं। आलम यह है कि ऐसे शो के खिलाफ जब भी कोई शिकायत होती है तब या तो होस्ट पर छोटी- मोटी पुलिस कार्रवाई होती है अथवा शो को कुछ दिन बैन कर दिया जाता है। ऐसे लचर और लचीला कार्रवाई के कारण ही इन दिनों कॉमेडी के नाम पर अश्लीलता का ज्वार उफान पर है। बहरहाल सोशल मीडिया पर मनोरंजन के नाम पर आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट परोसने का यह पहला मामला नहीं है। कालांतर में कुछ स्टैंडअप कॉमेडियन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और गिरफ्तारियां भी हुई है लेकिन फूहड़ता का सिलसिला थमा नहीं है। बीते साल यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फलुएंसर रणवीर अलाहबादिया को 'इंडिया गॉट लेटेस्ट' शो में उनके द्वारा अपने माता-पिता के नितांत निजी क्षणों के बारे में किए गए अत्यंत भद्दी टिप्पणी को लेकर संसद से लेकर सड़क में काफी विवाद हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने शो से जुड़े रणवीर को कड़ी फटकार लगाते हुए सोशल मीडिया पर उनके शो पर प्रतिबंध लगा दिया था। बीते साल ही सोशल मीडिया के एक एप्प के वेब शो ' हाउस अरेस्ट ' के अत्यंत अश्लील कंटेंट वायरल होने के बाद भी काफी बवाल मच था तथा शो को बैन करने की मांग उठने लगी थी। एक संगठन के कार्यकर्ता के शिकायत पर इस शो के होस्ट और अभिनेता एजाज खान और इस ऐप के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। हालांकि शो पर विवाद बढ़ते ही ऐप ने इस शो के सभी एपिसोड को हटाते हुए बजरंग दल से माफी मांगी ली थी।

गौरतलब है कि मनुष्य और मनोरंजन का अटूट रिश्ता है, मानव सभ्यता के विकास के साथ ही मनोरंजन के साधनों का विकास हुआ है। इंटरनेट क्रांति ने मनोरंजन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिसने मनोरंजन से जुड़ी सामग्रियों को प्राप्त करने और देखने के तरीके को बदल कर रख दिया है। डिजिटल मीडिया के इस दौर में 'ओवर द टॉप' (ओटीटी) और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इन दिनों किशोरों और युवाओं से लेकर हर उम्र के लोगों के लिए पसंदीदा मनोरंजन माध्यम बन चुके हैं लेकिन इसकी दुश्वारियां भी सामने आ रही है। देश में सोशल मीडिया से जुड़े कड़े नियमन कानूनों के अभाव के चलते यह मीडिया अनियंत्रित है। सोशल मीडिया पर मनोरंजन, हास्य या व्यंग्य के नाम यूजर्स को कुछ भी परोसा जा रहा है। सोशल मीडिया से जुड़े अधिकांश इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स फ़ूहड़ और आपत्तिजनक कंटेंट के जरिए नाम और पैसा दोनों कमा रहे हैं लेकिन इस कमाई में मर्यादा तार- तार हो रही है। इसके इतर सोशल मीडिया से जुड़े यू-ट्यूब और ओटीटी प्लेटफॉर्म में एडल्ट और पोर्न कंटेंट का भरमार है जो स्कूली बच्चे से लेकर सभी उम्र के लोगों के पहुंच में है। यह अतिशयोक्ति नहीं होगी कि इंटरनेट और मोबाइल फोन ने मनोरंजन के साथ ही परिवारों को भी बांट दिया है।

वर्तमान दौर में परिवार के प्रत्येक सदस्य अपने -अपने इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर अपने पसंदीदा सोशल मीडिया या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मशगूल हैं। इन प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाले रियलिटी और कॉमेडी शो तथा वेब सिरीज में बेहद अश्लील दृश्य, भद्दी गालियां, नशाखोरी और हिंसा के दृश्य परोसे जा रहे हैं। ऐसे शो और वेब सिरीज़ के चलते जहां किशोरों और युवाओं के मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ रहा है वहीं हमारी सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों पर चोट पहुंचा रही है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक देश में महिलाओं के साथ बढ़ते दुष्कर्म, हिंसा, अपराध और नशाखोरी के लिए बहुत हद तक जिम्मेदार इंटरनेट और सोशल मीडिया में मौजूद आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट हैं। बहरहाल सुप्रीम कोर्ट ने अनेकों बार सरकार से इंटरनेट में प्रसारित होने वाले अश्लील और हिंसक प्रसारणों पर चिंता जताते हुए आवश्यक कदमों की जानकारी चाही थी लेकिन नतीजा सिफर रहा। इंटरनेट और सोशल मीडिया में आपत्तिजनक सामाग्रियों को रोकने के लिए आईटी एक्ट में धारा 66 ए का प्रावधान था लेकिन साल 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने उस कानून को रद्द कर दिया था। इस कानून के रद्द होने के बाद सरकार ने सोशल मीडिया में आपत्तिजनक कंटेंट के रोकथाम हेतु कोई कानून नहीं बनाया है बल्कि सरकार पुराने भारतीय दंड संहिता 'आईपीसी' और भारतीय न्याय संहिता 'बीएनएस' के तहत कार्रवाई करती है।

संसद में ऐसे मामलों पर सांसदों द्वारा कड़े कानून बनाने की मांग की जा रही है। केंद्र सरकार भी सोशल मीडिया पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून बनाने का पक्षधर है लेकिन देश का एक तबका इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताते हुए विरोध पर उतारू हो जाता है। इस दलील के पैरोकारों को समझना होगा कि बोलने की आजादी का अर्थ स्वच्छंदता कदापि नहीं हो सकता लिहाजा मनोरंजन और मर्यादा के बीच लक्ष्मण रेखा जरूर होनी चाहिए। सोशल मीडिया से जुड़े तमाम इंफ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को समझना होगा कि भारतीय समाज लज्जा और मर्यादा के तानेबाने में गूंथा है लिहाजा अभिव्यक्ति की आजादी और खुलेपन के नाम पर कुछ भी बोलना और दिखाना उचित नहीं है इस दिशा में स्व- नियमन और आत्मानुशासन की जरूरत है।

आर्थिकी
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आयात निर्भरता होगी कम 100 उत्पाद होंगे चिन्हित

आयात निर्भरता कम करने की दिशा में भारत सरकार ने ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। देश में आयात में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है तो इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का आयात 100 अरब डॉलर के आंकड़े को भी पहली बार पार कर गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र प्रथम, मेड इन इण्डिया और वोकल फॉर लोकल को केवल जुमला के स्थान पर धरातल पर उतारने को कटिबद्ध हो गए हैं। पिछले दिनों देश में 100 सर्वाधिक आयात होने वाले उत्पादों को चिन्हित कर उनका देश में ही उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास शुरू किए गए हैं। उद्योग एवं व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन कर 3 सप्ताह में सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसके लिए 6 क्षेत्र विशेष कार्य समूह का गठन किया गया है। कमेटी द्वारा एक मोटे अनुमान के अनुसर 500 आयात होने वाले प्रमुख उत्पादों का अध्ययन किया जाएगा और इनमें से पहले चरण में 100 उत्पादों का चयन किया जाएगा। इन 100 उत्पादों का उत्पादन देश में ही बढ़ाया जाएगा ताकि विदेशों से आयात पर निर्भरता कम हो सके। दरअसल देश में 2025-26 में 7.5 प्रतिशत ग्रोथ के साथ 775 अरब अमेरिकी डॉलर के उत्पाद आयात हुए हैं। इनमें भी 18 प्रतिशत की विकास दर के साथ सर्वाधिक 116 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद आयात किए गए हैं। देश में प्रमुखतः 6 क्षेत्रों में आयात हो रहा है। इनमें फार्मास्यूटिकल, बायोटेक, मेडिकल क्षेत्र, रसायन और पेट्रोकेमिकल, कपड़े, जूते आदि सेक्टर, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन ईवी और पूजीगत सामानों का आयात सेक्टर, उर्जा क्षेत्र, निर्माण और संरचना क्षेत्र और रक्षा, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक आदि सेक्टर हैं। यह कमेटी इन सेक्टरों के 500 प्रमुख उत्पादों में से 100 उत्पाद चिन्हित करेंगी, जिनका उत्पादन देश में बढ़ाया जा सके और आयात में निर्भरता को कम किया जा सके। कमेटी ने काम आरंभ कर दिया है और सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि कमेटी को 3 सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सरकार को देने के लिए कहा गया है। इसका मतलब यह है कि सरकार सर्वाधिक आयात होने वाले 100 उत्पादों का उत्पादन देश में ही बढ़ाने के लिए संकल्पित है। दरअसल प्रधानमंत्री वोकल फॉर लोकल की बात हवा में नहीं करते रहे हैं। मेड इन इंडिया और इसकी ब्रॉण्डिंग की बात भी हवा-हवाई ना होकर इसके पीछे आयात को कम करने और भारतीय उत्पादों की विदेशों में पहचान बनाने और बाजार विकसित करने में हैं। इसी दिशा में बढ़ता एक कदम सरकार को एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम है। एक बात तो यह साफ हो जानी चाहिए कि भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता और पहचान रही है। आगे भी इसके ठोस प्रयास करने होंगे। दूसरी यह कि आयात का सीधा अर्थ है कि इन उत्पादों की हमारे देश में काफी मांग है और इस मांग की पूर्ति नहीं हो पर रही है और विदेशों से आयात पर निर्भरता बनी हुई है। ऐसे में योजनाबद्ध तरीके से आयात घटाने, स्थानीय आवश्यकता की देश में ही आपूर्ति सुनिश्चित करने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाने की आवश्यकता है और सरकार के इन प्रयासों में यही परिलक्षित हो रहा है। किसी भी देश के आर्थिक स्वास्थ्य के लिए आयात पर निर्भरता कम होनी चाहिए। देश में ही उत्पादन होने लगता है तो एक और विदेशी मुद्रा की बचत होती है तो दूसरी और देश में ही रोजगार, निवेश और सरकारी राजस्व के साथ ही इकोनॉमी का बूस्ट मिलता है। केन्द्र सरकार ने देश में ही उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन योजना सहित अनेक कदम उठाने जा रही है। इसे इस दृष्टि से शुभ संकेत व सरकार की गंभीरता के रूप में समझा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने देश में ही उत्पादन बढ़ाने के लिए पीएलआई यानी प्रोडक्शन लिंक्ड इंस्टेटिव योजना लागू की है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक, फार्मा, ऑटोमोबाइल, रसायन सहित 14 प्रमुख क्षेत्रों को प्रोडक्शन लिंक्ड इंस्टेटिव के दायरें में लाया गया है। देश में आरएण्डी सेल बनाकर शोध एवं अनुसंधान पर जोर दिया जा रहा है।

पसंद और नापसंद से मुक्त होना जरूरी

संकलित
दर्शन

आपने देखा होगा कि लोग बड़े गर्व से अक्सर कहते हैं, 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करके रहूंगा और वह मुझे पसंद नहीं है, इसलिए उसे मैं बिल्कुल नहीं करूंगा, क्योंकि मैं स्वाधीन हूं।' क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि यह सोच सचमुच आपकी स्वाधीनता से जन्मा है? यह स्वाधीनता नहीं है, यह तो बेबसी है, लाचारी है। पसंद और नापसंद की बेड़ियों में आज लगभग पूरी मानवता जकड़ी हुई है। सभी पारिवारिक झगड़ों की जड़ में लोगों की व्यक्तिगत पसंद और नापसंद ही होती हैं। पसंद और नापसंद को लेकर समाज, राष्ट्र और धर्म तक बंटे हुए हैं। जब हमारे सोच का दायरा बहुत सीमित होता है, हम कई तरह के पूर्वाग्रहों से ग्रस्त हो जाते हैं, फिर हम पर पसंद और नापसंद की सनक सवार हो जाती है। तब हम उसे नहीं देख पाते, जिसकी जरूरत है। हम वही करते हैं, जिसे हम पसंद करते हैं। वह नहीं करते, जिसे किए जाने की आवश्यकता है। फिर शुरू होता है अविराम झंझटों व विवादों का सिलसिला और उसी में उलझकर रह जाता है हमारा लघु-जीवन। योग परंपरा में भीतरी आयाम को बहुत गहराई से देखा गया और भीतरी पराधीनता से मुक्त होने की कई तकनीकों का आविष्कार किया गया, क्योंकि जो भीतरी पराधीनता का शिकार नहीं है, उसे कोई बाहरी शक्ति उस पर नियंत्रण नहीं कर सकती। पसंद और नापसंद की सनक से मुक्त होने के लिए हमें अपनी चेतना पर काम करना होगा। एक जागरूक व्यक्ति ही यह देख पाने में सक्षम होता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है और क्या किया जाना चाहिए।

मन को कभी भी निराश न होने दें

संकलित
प्रेरणा

सुबह होते ही, एक भिखारी सेठजी के घर पर भिक्षा मांगने के लिए पहुंच गया। भिखारी ने दरवाजा खटखटाया, सेठजी बाहर आए पर उनकी जेब में देने के लिए कुछ न निकला। वे कुछ दुखी होकर घर के अंदर गए और एक बर्तन उठाकर भिखारी को दे दिया। भिखारी के जाने के थोड़ी देर बाद ही वहां सेठजी की पत्नी आई और बर्तन न पाकर चिल्लाने लगीः अरे! क्या कर दिया आपने चांदी का बर्तन भिखारी को दे दिया। दौड़ो-दौड़ो और उसे वापिस लेकर आओ। सेठजी दौड़ते हुए गए और भिखारी को रोक कर कहाः भाई मेरी पत्नी ने मुझे जानकारी दी है कि यह गिलास चांदी का है, कृपया इसे सस्ते में मत बेच दीजिएगा। वही पर खड़े सेठजी के एक मित्र ने उससे पूछाः मित्र! जब आपको पता चल गया था कि ये गिलास चांदी का है तो भी उसे गिलास क्यों ले जाने दिया? सेठजी ने मुस्कुराते हुए कहाः मन को इस बात का अभ्यस्त बनाने के लिए कि वह बड़ी से बड़ी हानि में भी कभी दुखी और निराश न हो! मन को कभी भी निराश न होने दें, बड़ी से बड़ी हानि में भी प्रसन्न रहें। मन उदास हो गया तो आपके कार्य करने की गति धीमी हो जाएगी। इसलिए मन को हमेशा प्रसन्न रखने का प्रयास। इसी लिए कहां गया है, मन प्रसन्न तो आप प्रसन्न। प्रसन्न मन हमारे शरीर पर काफी प्रभाव डालता है। प्रसन्न मन से किए गए कार्य में सफलता की संभावना अधिक होती है।

अंतर्मन

आज की पाती

अपराध की दुनिया में महिलाओं की सक्रियता

आधुनिक डिजिटल युग में देश जैसे-जैसे स्मार्ट और तकनीकी रूप से उन्नत होता जा रहा है, वैसे-वैसे अपराधों की संख्या और उन्हें अंजाम देने के तौर तरीकों में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। भारत में अपराध जगत में महिलाओं की भागीदारी अभी भी पुरुषों की तुलना में कम है, किंतु पिछले कुछ वर्षों में इसमें आई बढ़ोतरी निश्चित रूप से चिंतन और चिंता का विषय है। वर्तमान समय में महिलाओं की अपराधों में संलिप्तता केवल परिवार के पुरुष सदस्यों के अवैध कारोबार में सहयोग करने तक सीमित नहीं रह गई है। मादक पदार्थों की तस्करी, आर्थिक अपराध, साइबर धोखाधड़ी, बच्चों की चोरी, मानव तस्करी और हत्या जैसे जघन्य अपराधों में भी महिलाओं की भागीदारी के मामले सामने आ रहे हैं। इस संबंध में प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

-प्रदीप डांगे, भिलाई

ट्रेंड

महिला हॉकी टीम को बधाई

भारतीय हॉकी खिलाड़ियों ने देश का मान बढ़ाया और खुशियां दीं ! एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप जीतने पर महिला टीम को बधाई। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया। टीम को बहुत शुभकामनाएं।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

मां के नाम एक पेड़

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर "मां के नाम एक पेड़" अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। आइए, ग्रीन वॉरियर बनकर जन-भागीदारी के साथ इस अभियान से जुड़ें और एक हरित, स्वस्थ और विकसित दिल्ली बनाने में योगदान दें।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

स्वस्थ समाज का निर्माण

देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू योग को शारीरिक स्वास्थ्य और चेतना के उत्कर्ष का माध्यम मानते थे। हम उनके विचारों को आत्मसात कर स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध समाज के निर्माण के लिए संकल्पित हैं।

-**सुखविंदर सिंह सुखु,** सीएम, हिमाचल प्रदेश

हिंदुओं की आस्था का केंद्र

राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। उसी राम मंदिर से करोड़ों रुपये का दान चोरी हो गया, फिर भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इस पाप में शामिल लोग चाहे कितने भी बड़े क्यों न हों, उन्हें सीधे जेल में डाल देना चाहिए। करोड़ों लोगों की आस्था की रक्षा करना ज़रूरी है।

-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

सिंगापुर में योग प्रेमियों ने योग दिवस मनाया

सिंगापुर में रविवार को एक राज्य मंत्री और भारतीय मूल के लोगों समेत सैकड़ों योग प्रेमियों ने उत्साह और समावेशन की भावना के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में अपनाए जाने के बाद से, हर साल 21 जून को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस साल के कार्यक्रम का विषय ' बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग ' है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत भारत के उच्चायोग ने इस प्राचीन अभ्यास को लोगों के करीब लाने के लिए कई आरंभिक कार्यक्रम और योग सत्र आयोजित किए।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के कई फायदे आए सामने

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है

संक्षेप

रेलवे ट्रैक किनारे अज्ञात महिला का शव मिला

पुलिस ने पोस्टमार्टम को भेजा, पहचान की कोशिश जारी

अमेठी , जायस थाना क्षेत्र में मंगलवार को रेलवे ट्रैक के किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिला। कर्मशाह बाबा के समीप ट्रैक के बगल लगभग 55 वर्षीय वृद्ध महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा था। सूचना मिलते ही जायस पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतका की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। थाना प्रभारी ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि यदि किसी को मृतका की पहचान संबंधी कोई जानकारी हो तो वे तुरंत जायस पुलिस से संपर्क करें। पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है और मौत के कारणों की गहनता से जांच कर रही है।

अवैध हथियारों का तस्कर गिरफ्तार

पिस्टल, 2 कारतूस और अपाचे बाइक बरामद, नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस

अमेठी , पुलिस के ऑपरेशन चक्रव्यूह अभियान के तहत रामगंज पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक व्यक्ति को 32 बोर की अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। उसकी अपाचे मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर मुखबिर की सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। रामगंज थाना पुलिस ने अपाचे मोटरसाइकिल यूपी (36 वाई 3404) पर सवार दिवाकर पुत्र कृष्ण कुमार, निवासी ग्राम छीड़ा (23) को रोका। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध 32 बोर पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। मोटरसाइकिल के कागजात दिखा न कर पाने पर उसे मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पूछताछ में सामने आया कि गिरफ्तार अभियुक्त दिवाकर का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ थाना रामगंज में धारा 323, 504, 506 भादवि के तहत मामला दर्ज है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी ने यह हथियार कहां से प्राप्त किया था और वह इसे किसे बेचने जा रहा था। इस गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक रामराज कुशवाहा, उपनिरीक्षक सतीश चन्द्र, उपनिरीक्षक गिरिजाशंकर द्विवेदी, हेड कांस्टेबल सुनील दूबे और कांस्टेबल जोखन यादव शामिल थे। यह कार्रवाई क्षेत्राधिकारी अमेठी मनोज कुमार मिश्र के नेतृत्व में की गई।

पुलिस मुठभेड़ में पच्चीस हजार का इनामी बदमाश घायल गिरफ्तार

मुठभेड़ में पुलिस व एसओजी की टीम रही शामिल

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। बौंडी थाना क्षेत्र में लगातार चोरी हो रही थी जिसकी शिकायत स्थानीय थाना व पुलिस अधीक्षक को मिल रही थी। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने इनका खुलासा करने के लिए स्वाट, क्राइम ब्रांच व बौंडी थाना अध्यक्ष को जिम्मेदारी सौंपी ,टीम ने मुखबिर की सूचना पर खैरा बाजार के पास खुदाई मार्ग पर घेराबंदी शुरू कर दी इसी बीच एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग आते दिखाई दिए पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी अभिरक्षा में गोली चलाई मुठभेड़ में एक अभियुक्त के पैर में गोली लगी और उसके दो साथी फरार हो गए ।घायल अभियुक्त की पहचान असलम पुत्र नदीम निवासी ग्राम सराय

मेहराबाद थाना रामगांव के रूप में हुई उसकी तलाशी ली गई जिसमें एक अवैध तमंचा 315 बोर व कारतूस ,मोटरसाइकिल एंड्रॉयड फोन तथा 16600 नगदी और अन्य सामान बरामद हुआ। अभियुक्त को प्राथमिक उपचार हेतु चिकित्सालय भेजा गया है तथा मौके से फरार अभियुक्तों फिरोज व मुल्क राज की तलाश के लिए पुलिस टीम लगी हुई है। रात में हुई मुठभेड़ की सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव अपने टीम के साथ पहुंच कर उपरोक्त घटना का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आपको बताते चलें कि मुठभेड़ में घायल बदमाश थाना राम गांव क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है और उसके ऊपर विभिन्न थानों में दो दर्जन से अधिक मुकदमे पंजीकृत हैं। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश घायल हुआ है जिसके ऊपर दो दर्जन से अधिक मुकदमे जनपद के विभिन्न स्थानों में पंजीकृत हैं आगे की कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना अध्यक्ष बौंडी त्रिलोकी नाथ मौर्य ,उप निरीक्षक प्रदीप गंगवार ,हेड कांस्टेबल रवि शंकर पांडे ,सिपाही कुलदीप साहू, सूर्य प्रताप सिंह तथा स्वाद टीम से प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह , उपनिरीक्षक राशिद अली, पूर्णेश नारायण पांडे, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अख्तर, सुधीर कुमार व सिपाही नरोत्तम पुरी शामिल रहे।

शिक्षकों की लंबित समस्याओ के निस्तारण हेतु आयोजित हुई बैठक

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जिला बेसिक शिक्षक अधिकारी कार्यालय पर बीएसए आशीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में बिभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बुधवार कों जनपदीय शिक्षकों की लंबित बिभिन्न समस्याओ व विभागीय समस्याओ के निराकरण कों लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों नें विभागीय समस्याओ,विभागीय कार्यों के सरलीकरण तथा लंबित मामलों के निस्तारण कों लेकर अपने-अपने सुझाव रखें। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बहराइच जिलाध्यक्ष आनंद मोहन मिश्र नें एक दिवसीय बाधित बेतन,लंबित चयन वेतनमान, वेतन निर्धारण, वेतन विसंगति, अवशेष एरियर, स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता, समायोजन, अर्जित व मातृत्व अवकाश, पेंशन ग्रेच्युटी जैसी अन्य समस्याओ पर प्रमुखता से अपनी बात पटल पर रखा व समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने की मांग की। बीएसए आशीष कुमार सिंह नें कहा कि जनपद में शिक्षा की व्यवस्था कों बेहतर बनाने और शिक्षक हितों की रक्षा के लिए सभी पक्षो के साथ समन्वय स्थापित कर काम किया जायेगा। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों कों भरोसा दिलाया कि अध्यापकों की समस्याओ के समाधान के लिए सकारात्मक और व्यावहारिक पहल की जायेगी। इस मौके पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बहराइच जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज वर्मा, जिला महामंत्री उमेशचंद त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष सगीर अंसारी, जिला मंत्री धनंजय पाण्डेय उपस्थित रहे।

फांसी के फंदे पर लटकता मिला किसान का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जवाहर खेड़ा गांव में गुरुवार सुबह एक किसान का शव पीपल के पेड़ से लटका मिला। घटना सदर कोतवाली क्षेत्र की है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान जवाहर खेड़ा गांव निवासी 40 वर्षीय होरीलाल पुत्र रग्घू के रूप में हुई है। सुबह करीब सात बजे जब ग्रामीणों ने गांव के बाहर पेड़ पर शव लटका देखा तो इलाके में हड़कंप मच गया ।घटना की सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित मोर्चरी भेज दिया ।मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर सीके मिश्र ने बताया कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहनता से जांच कर रही है ।ग्रामीणों के मुताबिक, होरीलाल की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मृतक के परिजनों से भी घटना के संबंध में पूछताछ की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह आत्महत्या का मामला है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।

मोहर्रम पर्व को लेकर रूपईडीहा पुलिस सतर्क

थाना प्रभारी ने पुलिस बल के साथ किया क्षेत्र भ्रमण

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना रूपईडीहा पुलिस पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय नजर आ रही है। इसी क्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश सिंह रावत ने अपनी पूरी पुलिस टीम के साथ थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील एवं प्रमुख स्थानों का भ्रमण कर मोटरसाइकिल गश्त की तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने बाजार, प्रमुख चौराहों, ताजिया मार्गों तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों तथा व्यापारियों से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से आपसी सौहार्द और भाईचारे के

साथ पर्व मनाने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील भी की ।थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश सिंह रावत ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में मोहर्रम पर्व के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, असामाजिक तत्वों पर नजर रखने तथा आमजन को सुरक्षा का एहसास दिलाने के उद्देश्य से थाना क्षेत्र में लगातार गश्त और निगरानी की जा रही है ।उन्होंने कहा कि मोहर्रम के दौरान निकलने वाले जुलूसों एवं अन्य धार्मिक आयोजनों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल को अलर्ट मोड पर रखा गया है ।क्षेत्रीय नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नियमित गश्त से लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत होती है और त्योहारों के दौरान शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में सहायता मिलती है। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

निमार्णाधीन मकान में शटरिंग लगाते समय नीचे गिरा मजदूर हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कस्बे के ब्राह्मण टोला मोहल्ले में निमार्णाधीन मकान की शटरिंग लगाते समय दीवार के साथ मजदूर भी नीचे जा गिरा ।हादसे में वह गभीर रूप से घायल हो गया ।गृहस्वामी ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया जहां से डाक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया ।माखी थाना क्षेत्र के डीहा गांव निवासी प्रताप (40) पंचम शटरिंग लगाने का काम करता है ।गुरुवार को वह कस्बे के ब्राह्मण टोला मोहल्ले में एक निमार्णाधीन मकान में शटरिंग लगा रहा था ।तभी एक नवनिर्मित दीवार भरभरा कर गिर गई ।जिससे कार्य कर रहा प्रताप भी दीवार के साथ नीचे जा गिरा ।दीवार गिरने से अफरातफरी मच गई ।ग्रह स्वामी ने साथी मजदूरों की मदद से घायल प्रताप को सीएचसी में भर्ती कराया जहां उसकी गभीर हालत देख डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

चिलचिलाती धूम मे झुलस रहे छात्र, महासंघ ने बीएसए कों दिया पत्र

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। भीषण गर्मी मे लोगो की दिनचर्या को बेपटरी कर दिया है ऐसे मे गर्मी की सबसे अधिक मार अध्ययनरत स्कूली छात्र झेल रहे है ।जून लगभग खत्म होने के कगार पर है और सूरज के तीखे तेवर से तीखी किरणे असहनीय साबित होने लगी है। ऐसे मे सुबह 8 बजे से घरों से निकलने वाले बच्चे दोपहर 2 बजे तक भीषण गर्मी का सामना करते हुए स्कूल मे रहने के लिए विवश है। ऐसे मे छात्रों की सेहत पर विपरीत असर पड़ने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है ।जबकि मौसम विभाग का मानना है कि आने वाले दिनों मे तापमान मे और बृद्धि होंगी।

ऐसे में लू व अत्यधिक गर्मी के दृष्टिगत परिषदीय विद्यालयों के

संचालन का समय परिवर्तन हेतु जिलाध्यक्ष आनंद मोहन मिश्रा राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बहराइच के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह से मिलकर विद्यालय समय परिवर्तन सुबह 7:30 से 12 बजे तक करने हेतु मांग पत्र सौंपा।

हालांकि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने महासंघ के पत्र को संज्ञान में लेते हुए जनपद के समस्त परिषदीय विद्यालयों का समय परिवर्तन का आदेश जारी कर दिया है। जिसके तहत समस्त परिषदीय, मान्यता प्राप्त, व मदरसा बोर्ड विद्यालयों के संचालन का समय सुबह 7:30 बजे से 11:30 तक कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी की जनसभा में जेबकतरे को दबोचा

पत्रकार का पर्स-डॉक्टर का मोबाइल चोरी, बाइक भी ले गए चोर

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नुमाइश ग्राउंड में जनसभा के दौरान चोरी और जेबकतरी की कई घटनाएं सामने आईं। भारी भीड़ का फायदा उठाकर बदमाशों ने लोगों के पर्स, मोबाइल और यहां तक कि बाइक पर भी हाथ साफ कर दिया। जनसभा समाप्त होने के बाद थाना बन्नादेवी में शिकायतकताओं की भीड़ जुट गई। हरदुआगंज निवासी एक पत्रकार ने बताया कि वह जनसभा की कवरेज के लिए कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे। भीड़ के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी पिछली जेब से पर्स निकाल लिया। पर्स में ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, डेबिट-क्रेडिट कार्ड, एचडीएफसी बैंक के चेक, अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज, फोटो और करीब 1,220 रुपए नकद रखे थे।

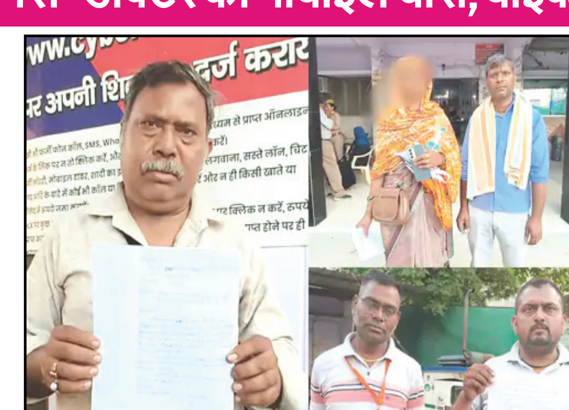

पीड़ित का आरोप है कि जब वह शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे तो उन्हें चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराने के बजाय गुमशुदगी दर्ज कराने की सलाह दी गई ।जेब काटते युवक को लोगों ने दबोचाकांशीराम आवास निवासी राजकुमार ने बताया कि एक युवक उनकी जेब से 200 रुपये निकालने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने सतर्कता दिखाते हुए उसे मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम सोनू उर्फ सचिन शर्मा निवासी शिवपुरी बताया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। कार्यक्रम में पत्नी के साथ पहुंचे एक व्यक्ति की हीरो पैशन मोटरसाइकिल भी चोरी हो गई। पीड़ित के मुताबिक, उन्होंने बाइक कार्यक्रम स्थल के बाहर खड़ी की थी, लेकिन वापस लौटने पर वह वहां नहीं मिली। डॉक्टर का मोबाइल भी हुआ गायबसंजय गांधी कॉलोनी निवासी डॉ. विपिन कुमार का मोबाइल फोन भी जनसभा के दौरान गायब हो गया। उन्होंने कई बार अपने नंबर पर कॉल की, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला ।सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवालएक ही कार्यक्रम के दौरान चोरी और जेबकतरी की कई घटनाएं सामने आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

कोचिंग सेंटरों पर तीन दिवसीय अभियान शुरू

डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा मानकों और फायर एनओसी की होगी गहन जांच

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर ,जिला प्रशासन ने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शहर में संचालित कोचिंग सेंटरों के खिलाफ तीन दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया है। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि जिले में कुल 196 कोचिंग सेंटर पंजीकृत हैं, जिनकी सुरक्षा और अन्य मानकों की जांच के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं ।जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह के अनुसार, यह तीन दिवसीय जांच अभियान सभी 196 कोचिंग सेंटरों की भौतिक स्थिति और वहां उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से विश्लेषण करेगा। अभियान के तहत कोचिंग सेंटरों में फायर एनओसी की उपलब्धता, अग्निशमन उपकरणों की कार्यक्षमता और आपातकालीन निकास व्यवस्था की पड़ताल की जा रही है। इसके

अतिरिक्त, कोचिंग स्टाफ को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण मिला है या नहीं, इसकी भी जांच की जाएगी। ऐसी सामग्रियों से की गई पैनलिंग पर भी नजर रखी जा रही है, जिनमें आग तेजी से फैल सकती है। भीषण गर्मी के मौसम में कोचिंग सेंटरों में एयर कंडीशनर का उपयोग बढ़ गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि जांच में अक्सर पाया जाता है कि स्वीकृत बिजली लोड कम होता है, जबकि अधिक एसी चलने के कारण सिस्टम ओवरलोड हो जाता है। इससे शॉर्ट सर्किट और आग लगने का खतरा बना रहता है, इसलिए बिजली के लोड की भी सघन जांच की जा रही है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस अभियान के दौरान जिन भी कोचिंग संस्थानों में मानकों की अनदेखी या सुरक्षा में कमियां पाई जाएंगी, उन्हें तत्काल नोटिस जारी किया जाएगा। इन कमियों को तय समय सीमा के भीतर दूर करना अनिवार्य होगा, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

थाने में महिला सिपाही की वर्दी फाड़ी

दंपती का विवाद सुलझाने को हो रही थी पंचायत, बीच बचाव में किया हमला

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़,जेठवारा थाना क्षेत्र में एक वैवाहिक विवाद सुलझाने के लिए बुलाई गई पंचायत के दौरान जमकर मारपीट हुई। इस घटना में बीच-बचाव करने पहुंची एक महिला सिपाही के साथ अभद्रता की गई और उसकी वर्दी फाड़ दी गई। पुलिस ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, जेठवारा थाना क्षेत्र के बरई का पुरवा डेरवा निवासी रामकुमार धुरिया की बेटी सीमा का विवाह लगभग एक वर्ष पूर्व धनसारी गांव के सुनील कुमार धुरिया से हुआ था। सीमा का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। उसने यह भी बताया कि उस पर चोरी का आरोप लगाकर उसके जेवर छीन लिए गए और मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया गया ।सीमा की शिकायत पर पुलिस ने शाम दोनों पक्षों को थाने बुलाया था, जहां सुलह के लिए पंचायत आयोजित की गई थी। पंचायत के दौरान ही कहासुनी बढ़ गई और जल्द ही यह मारपीट में बदल गई। आरोप है कि पति सुनील कुमार और उसके परिजनों ने सीमा तथा उसके मायके वालों के साथ मारपीट शुरू कर दी ।स्थिति बिगड़ती देख, मौके पर मौजूद महिला सिपाही प्रीति ने हस्तक्षेप कर विवाद शांत कराने का प्रयास किया। हालांकि, आरोपियों ने उसके साथ भी हाथापाई की और उसकी वर्दी फाड़ दी। इस घटना के बाद थाने में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

लखनऊ अग्निकांड के बाद प्रतापगढ़ प्रशासन अलर्ट

3 कोचिंग सेंटरों पर छापेमारी, सुरक्षा मानकों में लापरवाही

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, प्रशासन लखनऊ कोचिंग अग्निकांड के बाद अलर्ट हो गया है। जनपद में कोचिंग सेंटरों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में, फायर विभाग की टीम ने प्रतापगढ़ के स्कॉलर कोचिंग सेंटर पर औचक छापेमारी की। जांच के दौरान सेंटर में लगे फायर एक्सटिंग्विशर और अलार्म सिस्टम खराब पाए गए। कई सुरक्षा उपकरण काम नहीं कर रहे थे। फायर विभाग ने तत्काल खराब उपकरणों को मरम्मत के लिए भेजा। संचालक को सभी सुरक्षा इंतजाम जल्द से जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया है कि लखनऊ हादसे के बाद प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए सुबह से ही जिले के तीन कोचिंग सेंटरों पर लगातार छापेमारी की है ।इस दौरान

कई जगहों पर सुरक्षा मानकों में गंभीर लापरवाही सामने आई है ।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर ऐसी जांचें होती रहतीं, तो बड़ी लापरवाहियां पहले ही सामने आ जातीं और संभावित हादसों को टाला जा सकता था। प्रशासन की इस कार्रवाई से कोचिंग संचालकों में हड़कंप है। अब देखना होगा कि जांच के बाद नियमों का पालन कितना सुनिश्चित किया जाता है, ताकि भविष्य में किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

संक्षेप

भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप

डीएम को ज्ञापन सौंपा, मिला आश्वासन

बागपत ,बसौद-अमरपुर गढ़ी गांव में सेक्टर मार्ग की भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर विवाद गहरा गया है।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी (डीएम) को शिकायत पत्र देकर खसरा संख्या 722, रकबा 0.2110 हेक्टेयर के मूल स्वरूप को बहाल करने की मांग की है।उन्होंने इस भूमि पर चल रहे निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने का भी अनुरोध किया है।शिकायतकताओं का आरोप है कि गांव के कुछ लोग सेक्टर मार्ग की भूमि पर दीवार बनाकर अवैध कब्जा कर रहे हैं। इस मामले में पहले भी प्रशासन से शिकायत की गई थी। उस समय राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी और भूमि की पैमाइश की गई थी। हालांकि, ग्रामीणों का दावा है कि यह पैमाइश और निशानदेही निष्पक्ष तरीके से नहीं की गई।उनका आरोप है कि अधिकारियों को गलत रिपोर्ट भेजी गई है। ग्रामीणों के अनुसार, संबंधित भूमि राजस्व अभिलेखों और शिजरे में स्पष्ट रूप से सेक्टर मार्ग के रूप में दर्ज है। इसके बावजूद मौके पर इसकी स्थिति बदलने का प्रयास किया जा रहा है।शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि राजस्व अधिकारियों पर दबाव डालकर कब्जाधारियों के पक्ष में कार्रवाई कराई गई है, जिससे मामले की निष्पक्ष जांच प्रभावित हुई है। शिकायतकर्ताओं ने जिलाधिकारी से मांग की है कि खसरा संख्या 722 को राजस्व अभिलेखों के अनुसार उसके मूल स्थान पर बहाल किया जाए। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि जब तक इस मामले का अंतिम निस्तारण नहीं हो जाता, तब तक संबंधित भूमि पर किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाए। ग्रामीणों ने न्याय और निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद जताई है। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने इस मामले में जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

वाटर पार्क पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप

भाजपा नेता ने जिलाधिकारी से जांच की मांग की, मिला आश्वासन

बागपत ,एक वाटर पार्क के संचालन को लेकर नया विवाद सामने आया है।नगर पालिका परिषद बागपत के मनोनीत सभासद और भाजपा नेता एडवोकेट आशीष सिंह ने जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र सौंपा है, जिसमें ग्राम गौरीपुर हबीबपुर स्थित एक वाटर पार्क के खिलाफ जांच की मांग की गई है। शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि यह वाटर पार्क आवश्यक स्वीकृतियों और निर्धारित सुरक्षा मानकों के बिना संचालित हो रहा है।पार्क में बड़े झूले, वाटर स्लाइड्स, डांस फ्लोर, लगभग 30 फीट ऊंची जिपलाइन और अन्य मनोरंजन गतिविधियां चल रही हैं, जिनकी तकनीकी और सुरक्षा संबंधी जांच अनिवार्य है। शिकायतकर्ता आशीष सिंह ने कहा है कि ऐसी ऊंची संरचनाओं और मनोरंजन उपकरणों का वैध सुरक्षा प्रमाणन के बिना संचालन लोगों के जीवन के लिए जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने देश भर में हाल ही में हुई कई दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर चिंता व्यक्त की है।इसके अतिरिक्त, शिकायत में यह भी आरोप है कि वाटर पार्क में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में भूजल का उपयोग किया जा रहा है। यदि यह बिना आवश्यक अनुमति के हो रहा है, तो यह क्षेत्र में जल संरक्षण और भूजल स्तर के लिए एक गंभीर मुद्दा बन सकता है।

'अखिलेश को मोहन यादव से प्यार तो यूपी बुला लें'

प्रयागराज में उमंग सिंघार ने कहा- देखते हैं पीएम मोदी कब कार्रवाई करते हैं

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज,कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया।उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश यादव को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से इतना प्यार है तो उन्हें उत्तर प्रदेश बुला लें उमंग सिंघार गुरुवार को पेपर लीक के मुद्दे पर कांग्रेस के देशव्यापी अभियान के तहत आयोजित प्रेस वार्ता में पहुंचे थे।इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर भ्रष्टाचार और जमीन से जुड़े मामलों में गंभीर आरोप लगाए।कहा कि देखते हैं पीएम मोदी कब कार्रवाई करते हैं। सिंघार ने कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा सत्र में इन आरोपों को तथ्यों और दस्तावेजों के साथ उठाएगी। वहीं, भाजपा और मुख्यमंत्री कार्यालय ने कांग्रेस के सभी आरोपों को निराधार बताते हुए उन्हें पूरी तरह खारिज कर दिया है।

पीएम मोदी अपने प्रिय मुख्यमंत्री के खिलाफ कब कार्रवाई करते हैं

उमंग सिंघार ने कहा कि सीएम मोहन यादव उज्जैन से आते हैं और वहां आम लोगों के लिए घर बनाना भी मुश्किल हो गया है। यदि किसी को मकान बनाना है तो उसे मुख्यमंत्री से जुड़े लोगों की खदानों से ही गिट्टी खरीदनी पड़ती है, जहां सामग्री महंगे दामों पर मिलती है।पिछले दो सालों में मुख्यमंत्री के परिवार की संपत्ति में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।आखिर यह धनवृद्धि कैसे हुई, जबकि आम लोगों की आर्थिक स्थिति में ऐसा कोई बदलाव नहीं आया। पीएम नरेंद्र मोदी ने 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' का नारा दिया था, ऐसे में अब देखना होगा कि वह अपने प्रिय मुख्यमंत्री के खिलाफ कब कार्रवाई करते हैं।उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उठा चुकी है। आगामी विधानसभा सत्र में पार्टी इस मामले को तथ्यों और दस्तावेजों के साथ मजबूती से उठाएगी।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनके परिवार से जुड़ा कथित जमीन विवाद इन दिनों चर्चा में है।विपक्षी दल कांग्रेस ने उन पर उज्जैन में मुख्यमंत्री पद के प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए 168 एकड़ से अधिक जमीन खरीदने और हितों के टकराव के गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके परिवार ने 168 एकड़ जमीन खरीदी है। पार्टी ने आरोप लगाया कि ये जमीनें मुख्य रूप से उन क्षेत्रों में खरीदी गईं।

छात्रा ने रची अपहरण की झूठी कहानी

फोन पर बोली- किन्नर पकड़कर ले जा रहे हैं, जीआरपी ने युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , नैनी में कक्षा 9 की छात्रा का अपहरण किए जाने की अफवाह से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। फोन कर बताया गया कि किन्नरों ने अपहरण किया है। सूचना पर नैनी पुलिस भारी फोर्स के साथ छात्रा के मोबाइल की लोकेशन के आधार पर तलाश शुरू कर दी।करीब दो घंटे तक पुलिस ने छात्र की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। कुछ देर के बाद जीआरपी के सिपाही ने छात्रा और उसके साथ एक युवक को बाड़ा एक में आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया।जीआरपी दोनों को थाने लेकर पहुंची और उनके घरवालों को सूचना दी। इसके बाद नैनी इंस्पेक्टर बृजकिशोर गौतम ने जीआरपी थाने पहुंचकर पूरे मामले में युवक और छात्रा का बयान दर्ज किया। फिलहाल नैनी पुलिस ने मामले को जीआरपी को सौंप दिया है। अब जानिए पूरा मामला मूल रूप से बिहार के रहने वाली एक छात्रा अपने परिवार के साथ नैनी के चाका में किराए के मकान में रही है। छात्रा के पिता रेलवे में गार्ड है। छात्रा कक्षा 9 की छात्रा है। घरवालों ने बताया कि छात्रा पूजा पांडेय (परिवर्तित नाम) गुरुवार की सुबह 8.30 बजे कोचिंग लिए घर से निकली थी। छात्र करीब 11 बजे तक घर नहीं लौटी। इसके बाद घरवाले परेशान हो गए। भाई ने फोन किया तो फोन स्विच ऑफ मिला। थोड़ी देर के बाद छात्रा ने घर पर फोन के बताया कि उसे चार किन्नर पकड़ लिए है और उसका मोबाइल छीन कर अपने साथ ले जा रहे हैं।इसके बाद छात्रा का फोन बंद हो गया। घरवाले भागते हुए मौके पर पहुंचे तो वहां कोई नहीं मिला।इसके बाद भाई ने तत्काल नैनी पुलिस को सूचना दी।

कोचिंग सेंटरों की जांच शुरू

अधिकांश में एनओसी नहीं, अग्निशमन यंत्र एक्सपायर, एग्जिट प्वाइंट भी गायब

अमन लेखनी समाचार

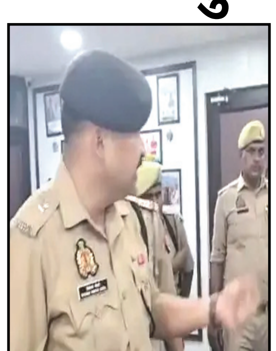

मेरठ , लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड के बाद मेरठ प्रशासन अलर्ट हो गया है। शहर के कोचिंग सेंटरों में मंगलवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान अधिकांश सेंटरों में अग्निशमन यंत्र एक्सपायर मिले, फायर विभाग से ठडउ नहीं ली गई थी और खुले तार लटके हुए थे।पुलिस विभाग की टीम ने पीएल शर्मा रोड स्थित कोचिंग हब में जांच की, जहां यूपीएससी, आईआईटी और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोंसले ने पुलिस टीम के साथ स्वयं चेकिंग अभियान का नेतृत्व किया।

एक्सपायर हो चुके अग्निशमन यंत्र, पुलिस मौन

जांच के दौरान पाया गया कि कई कोचिंग सेंटरों में अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं थे, या उनकी वैधता समाप्त हो चुकी थी।कक्षाओं के अंदर खुले तार लटके हुए थे, जिससे शॉर्ट सर्किट का खतरा बना हुआ था।इसके अलावा, किसी भी कोचिंग सेंटर ने फायर विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया था। उसके बावजूद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोंसले ने बताया कि ऐसे कोचिंग सेंटरों की सूचना फायर विभाग को दी गई है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि लखनऊ में हुए हादसे के बाद ही कई सेंटरों ने अपने अग्निशमन यंत्र बदले हैं, जबकि वे पहले बिना ठडउ के संचालित हो रहे थे। नियमों की अनदेखी कर संचालित हो रहे कोचिंग सेंटरजिले में पीएल शर्मा रोड सहित अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में कोचिंग सेंटर बिना सुरक्षा मानकों को पूरा किए संचालित हो रहे हैं।

दंपती का 2 लाख से भरा बैग चोरी

मेरठ पुलिस ने 48 घंटे में किया खुलासा, महिला गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , कोतवाली थाना क्षेत्र में बिरयानी खाने गए एक दंपती की लापरवाही के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा।वे दो लाख रुपये से भरा बैग रेस्टोरेंट में ही भूल गए थे।एक महिला ने बैग चोरी कर लिया और एक युवक के साथ फरार हो गई थी। हालांकि, कोतवाली पुलिस ने करीब 200 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद 48 घंटे के भीतर पूरे मामले का खुलासा करते हुए महिला और युवक को गिरफ्तार कर चोरी किया गया बैग बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, लिसाड़ी गेट निवासी दानिश अख्तर अपनी पत्नी के साथ आबूलेन स्थित पंजाब नेशनल बैंक से दो लाख रुपये निकालकर लाए थे। नकदी को एक बैग में रखकर दोनों हापुड़ रोड स्थित एक बिरयानी रेस्टोरेंट में हलीम बिरयानी खाने पहुंचे थे। बिरयानी खाते समय दंपती गलती से बैग टेबल पर ही रखा भूल गए।इसी बीच, एक अन्य दंपती उसी टेबल पर बिरयानी खाने पहुंचा और टेबल पर रखा नोटों से भरा बैग चोरी कर फरार हो गए थे। यह पूरी वारदात रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। कुछ देर बाद दानिश और उनकी पत्नी को याद आया कि वे नकदी से भरा बैग रेस्टोरेंट में ही छोड़ आए हैं। घबराए दंपती तुरंत वापस पहुंचे, लेकिन तब तक बैग चोरी हो चुका था। सूचना मिलने पर पुलिस ने रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में सामने आया कि बहसूमा निवासी फरहीन और उसका पति नाजिम बैग चोरी कर ले गए थे।फुटेज के आधार पर पुलिस ने दोनों को तलाश कर हिरासत में लिया और उनके कब्जे से दो लाख रुपये की पूरी नकदी बरामद कर ली। सीओ कोतवाली संग्राम सिंह ने बताया कि एसएसपी के आदेश पर दंपती की तलाश के लिए दो टीमों का गठन किया गया था।टीम ने करीब 200 सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दंपती से पूछताछ की जा रही है।

मृत मां को जीवित दिखाकर 7 साल तक पेंशन हड़पी

मेरठ में आरोपी बेटा गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेज बनाए

अमन लेखनी समाचार

मेरठ।दौराला थाना पुलिस ने मृत मां को जीवित दिखाकर सात साल से अधिक समय तक उनकी पेंशन हड़पने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा विभाग की पेंशन का फर्जी तरीके से लाभ उठाने का आरोप है। टांडा के शाखा प्रबंधक नीरज कुमार ने दौराला थाने में तहरीर दी थी। उनकी शिकायत पर प्रेम सिंह और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच उपनिरीक्षक अनिल कुमार कर रहे हैं। दौराला पुलिस ने सुबह करीब 8:15 बजे मुखबिर की सूचना पर आरोपी प्रेम सिंह को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम शाहपुर जदीद निवासी प्रेम सिंह पुत्र सुक्खन सिंह ने कथित तौर पर अपनी मां शांति देवी के फर्जी जीवित प्रमाण पत्र तैयार करवाए। आरोप है कि शांति देवी की मृत्यु के बावजूद, उन्हें लगभग सात वर्षों से अधिक समय तक जीवित दशार्या गया। इस दौरान उनके नाम पर मिलने वाली स्वतंत्रता सेनानी पेंशन और रक्षा विभाग की पेंशन को बैंक खाते से एटीएम, यूपीआई और अन्य माध्यमों से निकाला जाता रहा। इस मामले में एसबीआई बैंक, सकोती पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। विवेचना के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी का किचन बंद होगा

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने लायसेंस और जरूरी दस्तावेज मांगे, नहीं दिखाने पर होगी कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सोसायटी प्रबंधन को आवश्यक अनुमति और लाइसेंस प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।साथ ही स्पष्ट किया है कि यदि वैध अनुमति उपलब्ध नहीं है तो रसोई का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए।

धुएं और प्रदूषण की शिकायत पर हुई जांच

मामले की शुरूआत सोसायटी निवासी आर.के. गर्ग की शिकायत से हुई।शिकायत में आरोप लगाया गया था कि पूर्व आरडब्ल्यूए सचिव विनम्र जैन की ओर से सेंट्रल पार्क के सामने आयोजनों के लिए रसोई संचालित की जा रही है। निवासियों का कहना था कि यहां भोजन तैयार करने के दौरान निकलने वाले धुएं, दुर्गंध और प्रदूषण से आसपास रहने वाले लोगों और पार्क में आने-जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने किया निरीक्षणशिकायत मिलने के बाद 15 जून 2026 को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सोसायटी के प्रतिनिधि और मैनेजर राहुल त्यागी मौजूद रहे। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि संबंधित रसोई नियमित रूप से संचालित नहीं होती और इसका उपयोग केवल विवाह, जन्मदिन तथा अन्य सामाजिक आयोजनों के दौरान भोजन तैयार करने के लिए किया जाता है।धुएं और अपशिष्ट निस्तारण की व्यवस्था नहीं मिली निरीक्षण रिपोर्ट में बोर्ड ने पाया कि रसोई से निकलने वाले धुएं, दुर्गंध, शोर और अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण की पर्याप्त व्यवस्था मौजूद नहीं थी। इसके बाद क्षेत्रीय अधिकारी ने सोसायटी सचिव को नोटिस जारी कर सक्षम स्थानीय निकाय की अनुमति, ऋररअक पंजीकरण और अन्य आवश्यक स्वीकृतियों से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।बिना अनुमति संचालन हुआ तो होगी बंदप्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा है कि यदि रसोई के संचालन के लिए जरूरी अनुमति और लाइसेंस उपलब्ध नहीं हैं, तो इसे तत्काल बंद किया जाए।इस संबंध में बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को भी भेज दी है, ताकि आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।सोसायटी में शुरू हुई चर्चाबोर्ड की कार्रवाई के बाद गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी में पार्क क्षेत्र के उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक आयोजनों के नियमों को लेकर चर्चा तेज हो गई है।कई निवासी पार्क को प्रदूषण मुक्त बनाए रखने की मांग कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग आयोजनों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करने की बात कह रहे हैं।

एमडीए में भ्रष्टाचार के खिलाफ हिंदू स्वाभिमान परिषद का प्रदर्शन

मेरठ में अवैध निर्माण पर कार्रवाई न होने का आरोप, महायज्ञ की चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, हिंदू स्वाभिमान परिषद और गुरु गोरखनाथ कामधेनु गौ सेवा समिति ने मेरठ विकास प्राधिकरण (एमडीए) कार्यालय पर प्रदर्शन किया।इस दौरान पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने एमडीए प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भ्रष्टाचार, अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया। हिंदू स्वाभिमान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अमित भारद्वाज ने कहा कि संगठन पिछले डेढ़ साल से अवैध कॉलोनियों और अवैध निमार्णों के खिलाफ लगातार धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन दे रहा है। इसके बावजूद संबंधित मामलों में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि कुछ अभियंताओं की मिलीभगत के कारण कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रह गई है।

अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप

अमित भारद्वाज ने कहा कि इस संबंध में कई बार एमडीए के उपाध्यक्ष और सचिव को ज्ञापन देकर अवगत कराया गया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला।संगठन का कहना है कि अवैध निर्माण और कॉलोनियां विकसित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई न होना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही को दशार्ता है।उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में अधिकारियों और अवैध निर्माण कराने वालों की मिलीभगत के कारण कार्रवाई नहीं हो रही है।

तीन दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो होगा बगलामुखी महायज्ञ

संगठन ने रोटा रोड स्थित शिवकुंज कॉलोनी का मामला उठाते हुए इसकी निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि तीन दिन के भीतर प्रभावी कार्रवाई शुरू नहीं हुई तो हिंदू स्वाभिमान परिषद और गुरु गोरखनाथ कामधेनु गौ सेवा समिति एमडीए कार्यालय पर भ्रष्टाचार के विरोध में बगलामुखी महायज्ञ का आयोजन करेगी। प्रदर्शन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मूलचंद शर्मा, राष्ट्रीय प्रभारी सुशील अंकित बाजपेई सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रायपुर लेबर कैंप में भीषण आग

गैस सिलेंडर लीकेज से मची अफरा-तफरी, 5 दमकल गाड़ियों ने एक घंटे में काबू पाया

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , सेक्टर-126 में रायपुर गांव स्थित एक लेबर कैंप में सुबह करीब सात बजे आग लग गई। गैस सिलेंडर लीकेज के कारण आग लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। पूरे कैंप में अफरा-तफरी मच गई। घटना सेक्टर-126 थाना क्षेत्र के रायपुर गांव की है।जिस समय आग लगी, उस समय कैंप में करीब 60 मजदूर रह रहे थे। राहत की बात यह रही कि समय रहते सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।कैंप में रखा मजदूरों का सामान जल कर राख हुआ ये कैंप ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर तक बना था।पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण कर घटना की जांच शुरू कर दी है।स्थानीय लोगों के अनुसार आग तेजी से फैली, लेकिन समय रहते बचाव कार्य शुरू होने से बड़ा हादसा टल गया।प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण गैस सिलेंडर से गैस का रिसाव माना जा रहा है। आग की लपटों से लेबर कैंप में रखा सामान जलकर खाक हो गया।सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया कि दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

ग्रेटर नोएडा में 45 नए बस स्टैंड बनेंगे

प्राइवेट एजेंसी को संचालन और देखरेख की जिम्मेदारी मिलेगी

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा ,प्राधिकरण ने शहर में सार्वजनिक परिवहन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यात्रियों की सुविधाओं में सुधार के लिए 45 नए बस स्टैंड विकसित करने का निर्णय लिया है। यह पहल हाल ही में शुरू की गई सिटी बस सेवा के विस्तार के रूप में की जा रही है। इन बस स्टैंडों का निर्माण गौर चौक, एक मूर्ति, बिसरख, परी चौक, सूरजपुर, कलेक्ट्रेट और स्वर्ण नगरी जैसे प्रमुख स्थानों पर होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू होने के बाद सिटी बस सेवा का विस्तार कर इसे 100 बसों तक बढ़ा दिया गया है। इन बसों में से 50 नोएडा प्राधिकरण को, जबकि ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण को 25-25 बसें आवंटित की गई हैं।प्राधिकरण के अधिकारी सन्नी यादव ने बताया कि इन बस स्टैंडों का निर्माण बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर मॉडल पर किया जाएगा। इस मॉडल के तहत, एक निजी एजेंसी को इनके निर्माण, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। प्राधिकरण ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिया है और अगले दो सप्ताह में एजेंसी का चयन कर लिया जाएगा।इन नए बस शेल्टरों में यात्रियों की सुविधा के लिए मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, सीसीटीवी कैमरे और रूट डिस्प्ले बोर्ड जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अधिकारी ने यह भी बताया कि इन बस शेल्टरों का रखरखाव और नवीनीकरण विज्ञापन के माध्यम से किया जाएगा

ट्रकों की आवाजाही के लिए बनेगा मास्टरप्लान

7 दिन का सर्वे शुरू, जाम और प्रदूषण कम करने पर फोकस

अमन लेखनी समाचार

नोएडा,शहर में बढ़ती लॉजिस्टिक गतिविधियों और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने सिटी लॉजिस्टिक प्लान तैयार करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। इस योजना के तहत शहर में ट्रकों की आवाजाही, माल ढुलाई और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े यातायात पैटर्न का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। इसके लिए सात दिन का विशेष सर्वे शुरू किया गया है। यूपी के तीन शहरों में शामिल हुआ नोएडाकेंद्र सरकार की पहल पर 25 राज्यों के 100 से अधिक शहरों के लिए सिटी लॉजिस्टिक प्लान तैयार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश से नोएडा, वाराणसी और मुरादाबाद को इस योजना में शामिल किया गया है। नोएडा में सर्वेक्षण कार्य को गति देते हुए प्राधिकरण ने दो अलग-अलग टीमें तैनात की हैं। दो टीमें जुटा रहीं ट्रकों की आवाजाही का डेटा पहली टीम शहर के प्रमुख प्रवेश और निकास मार्गों पर पीक ऑवर के दौरान ट्रकों की संख्या और उनके आवागमन का अध्ययन कर रही है। वहीं दूसरी टीम औद्योगिक क्षेत्रों में जाकर माल ढुलाई से जुड़े आंकड़े एकत्र कर रही है। सर्वे के दौरान यह भी पता लगाया जा रहा है कि एनसीआर के अन्य जिलों से रोजाना कितने ट्रक नोएडा आते हैं और उनका प्रमुख उपयोग क्या है। 24 घंटे के आंकड़ों के विश्लेषण के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

जनपद सोनभद्र में 21 अगस्त 2026 तक धारा-163 लागू

आगामी पर्व-त्योहारों एवं परीक्षाओं को लेकर प्रशासन सतर्क।

बिना अनुमति जुलूस, धरना-प्रदर्शन एवं सभाओं पर प्रतिबंध।

सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर होगी कार्रवाई।

कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रशासन ने जारी किए दिशा-निर्देश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में आगामी पर्व-त्योहारों, धार्मिक आयोजनों, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अपर जिला मजिस्ट्रेट वागीश कुमार शुक्ल द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता - 2023 की धारा-163(2) के अंतर्गत निषेधाज्ञा जारी की गई है। यह आदेश जनपद सोनभद्र की सम्पूर्ण सीमा में दिनांक 22 जून 2026 से 21 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगा निषेधाज्ञा के अंतर्गत बिना सक्षम प्रशासनिक अनुमति किसी भी प्रकार की सभा, जुलूस, धरना- प्रदर्शन अथवा सार्वजनिक आयोजन नहीं किए जा सकेंगे। धार्मिक मेले, बारात एवं शव यात्राएं इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी, किन्तु आयोजकों को निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सार्वजनिक आयोजनों में सामाजिक सद्भाव एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। किसी भी प्रकार की भड़काऊ नारेबाजी, जातीय अथवा धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले पोस्टर, पर्चे अथवा प्रचार सामग्री का वितरण पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर झूठी, भ्रामक अथवा उत्तेजनात्मक सूचनाएं प्रसारित करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। सभी ग्रुप एडमिन को निर्देशित किया गया है कि वे अपने समूहों में प्रसारित होने वाली सामग्री पर सतर्क निगरानी रखें तथा किसी भी आपत्तिजनक अथवा अफवाह फैलाने वाली सामग्री की तत्काल सूचना प्रशासन को दें। निषेधाज्ञा के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर अस्त्र-शस्त्र, आग्नेयास्त्र, विस्फोटक अथवा ज्वलनशील पदार्थ लेकर चलना, यातायात अवरुद्ध करना, शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करना तथा किसी भी प्रकार की अराजक गतिविधियों में संलिप्त होना प्रतिबंधित रहेगा। होटल, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, बाजारों एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

अन्य पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण।

10 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन करने का अवसर।

सोनभद्र में पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए।

रोजगारोन्मुखी कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल।

अमन लेखनी समाचार

जनपद सोनभद्र। के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के बेरोजगार युवक एवं युवतियों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया गया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना संचालित की जा रही है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि ऐसे अभ्यर्थी जो न्यूनतम इंटरमीडिएट उत्तीर्ण हों तथा जिनके माता-पिता अथवा अभिभावकों की सभी स्रोतों से वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक न हो, वे इस योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट पर 16 जून 2026 से 10 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने के बाद उसकी प्रति डाउनलोड कर समस्त आवश्यक अभिलेखों सहित निर्धारित तिथि तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय, कक्ष संख्या-37, विकास भवन लोढ़ी, सोनभद्र में हार्ड कॉपी जमा करना अनिवार्य होगा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि योजना का उद्देश्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को तकनीकी एवं रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश पर संयुक्त टीम की बड़ी कार्रवाई

कोन एवं दुद्धी क्षेत्र के अस्पतालों का औचक निरीक्षण।

सील तोड़कर संचालित अस्पताल पुनः किया गया सीज।

अवैध अस्पतालों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में अवैध एवं बिना मान्यता संचालित अस्पतालों के विरुद्ध जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग, प्रशासन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सघन निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्रवाई की गई। हाल के दिनों में प्राप्त शिकायतों में यह तथ्य सामने आया था कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूर्व में सील किए गए कुछ अस्पतालों का संचालन पुनः नियमों के विपरीत किया जा रहा है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित क्षेत्रों में संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशन में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. गुलाब शंकर, संबंधित उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने कोन एवं दुद्धी क्षेत्र के विभिन्न चिकित्सालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भरत हॉस्पिटल एवं ग्लोबल हॉस्पिटल पूर्व से सील अवस्था में पाए गए। वहीं के.एम. हॉस्पिटल तथा नेशनल हॉस्पिटल, दुद्धी में आवश्यक अभिलेखों एवं वैधानिक मानकों की जांच के उपरांत संयुक्त टीम द्वारा सीज कर दिए गए। राधा रानी हॉस्पिटल नामक कोई चिकित्सालय मौके पर संचालित नहीं पाया गया। निरीक्षण के दौरान कोन स्थित इंडियन हॉस्पिटल, जिसे पूर्व में सील किया गया था, उसका ताला तोड़कर पुनः संचालन किया जाना पाया गया। इस पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. गुलाब शंकर, संबंधित उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी की मौजूदगी में पुलिस बल के सहयोग से अस्पताल को तत्काल पुनः सीज कर दिया गया। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने निर्देशित किया है कि जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले तथा बिना वैधानिक अनुमति संचालित अस्पतालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

खास समाचार

बभनी पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के कुशल निर्देशन में थाना बभनी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना बभनी पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0-118/2026, धारा 80(2), 85 बीएनएस एवं 3/4 डीपी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राजू भारती पुत्र सुरेश कुमार निवासी ग्राम मनरूडोला, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 26 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 24.06.2026 को प्रातः लगभग 04:25 बजे बभनी तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए उसे मा० न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

थाना श्यामदेउरवा में पीस कमेटी बैठक का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

महराजगंज जनपद के थाना श्यामदेउरवा परिसर में आगामी मोहर्रम को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पीस कमेटी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी महराजगंज गौरव सिंह सोगरवाल एवं पुलिस अधीक्षक महराजगंज शक्ति मोहन अवस्थी द्वारा की गई। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं, ताजियादारों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न समुदायों के सम्मानित व्यक्तियों ने सहभागिता की। इस दौरान अधिकारियों द्वारा उपस्थित लोगों से संवाद स्थापित करते हुए मोहर्रम पर्व के दौरान शांति, सौहार्द एवं आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की गई। जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी सद्भाव एवं अनुशासन के साथ मनाया जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक

सूचना पर ध्यान न दिया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक महराजगंज शक्ति मोहन अवस्थी ने कहा कि जनपद पुलिस द्वारा मोहर्रम के दृष्टिगत सभी आवश्यक सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने ताजिया जुलूसों के निर्धारित मार्गों का पालन करने, यातायात व्यवस्था में सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी देने की अपील की। बैठक में उपस्थित लोगों द्वारा भी अपने सुझाव एवं समस्याएं रखी गईं, जिनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि पर्व के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी तथा जनसहयोग से मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराया जाएगा। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों से सामाजिक सौहार्द, आपसी समन्वय एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई।

गो-पालन से खुलेंगे आर्थिक समृद्धि के द्वार

मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत किया जाएगा छह लाभार्थियों का चयन।

आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 जुलाई।

गो-संवर्धन के साथ-साथ युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली योगी सरकार की अनूठी योजना।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। प्रदेश की योगी सरकार उच्च उत्पादन क्षमता के गोवंश के संवर्धन के साथ आमजन को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में सरकार ने मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना की शुरूआत की। जिसके तहत लाभार्थी दस स्वदेशी उन्नत नस्ल की गायों की डेयरी की स्थापना कर सकते हैं। पशुपालन विभाग द्वारा प्रति इकाई की लागत 23.60 लाख रुपये निर्धारित की गई है। जिस पर दो चरणों में अधिकतम 50 प्रतिशत अनुदान के रूप में 11.80 लाख रुपये विभाग द्वारा दिए जाते हैं। यह राशि शासन द्वारा डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जाती है। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के तहत 50 प्रतिशत महिला पशुपालकों को लाभांवित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मौजूदा वित्त वर्ष में छह लाभार्थियों (तीन महिला-तीन पुरुष) को लाभान्वित करने का लक्ष्य शासन से प्राप्त हुआ है। आवेदन की अंतिम तारीख 21 जुलाई है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत साहीवाल, गिर व थार पारकर प्रजाति की दस गाय की परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 23.60 लाख रुपये निर्धारित की गई है। गाय का क्रय प्रदेश के बाहर से यथासंभव ब्रिडिंग टैक्ट से लाभार्थियों द्वारा किया जाएगा। इकाई की स्थापना के लिए लगभग 8712 वर्ग फीट भूमि के साथ ही लाभार्थी के पास एक वर्ष तक हरे चारे के लिए पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। इकाई की स्थापना के लिए पशुपालक को लाभार्थी अंश 15 प्रतिशत, बैंक ऋण 35 प्रतिशत अथवा बैंक ऋण के स्थान पर उक्त धनराशि लाभार्थी के खाते में उपलब्ध होनी चाहिए। इसके लिए लाभार्थी को न्यूनतम छह महीने का बैंक स्टेटमेंट की सत्यापति प्रति देनी होगी। इकाई लागत का अधिकतम 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ वही से सकते हैं जिन्होंने पूर्व में प्रचलित कामधेनु, मिनी कामधेनु, माइक्रो कामधेनु योजना अथवा नंद बाबा दुग्ध मिशन के तहत संचालित नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री स्वदेशी गोसंवर्धन योजना का लाभ न लिया हो। बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदनों की संख्या अधिक होने की स्थिति में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा ई-लाटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जाएगा।

योजना से जुड़ी खास बातें

आधारभूत संरचना तैयार करने के उपरान्त प्रथम चरण का अनुदान मिलेगा

गाय क्रय के उपरान्त द्वितीय चरण का अनुदान मिलेगा गाय का क्रय प्रदेश के बाहर से यथासंभव ब्रिडिंग ट्रैक्ट से किया जाए

गोवंश का ईयर टैग व बीमा कराना अनिवार्य क्रय किए जाने वाली गाय प्रथम अथवा द्वितीय ब्यात की हो, तथा ब्यात 45 दिन से अधिक न हो आवेदक के पास गो पालन का कम से कम तीन वर्षो का अनुभव हो आधारभूत संरचना हेतु 0.20 एकड़ तथा चारा उत्पादन हेतु 0.80 एकड़ भूमि होना अनिवार्य।

जिला कारागार गुरमा का जिला जज, जिलाधिकारी, सीजीएम, एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा आकस्मिक निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। आज दिनांक 26.06.2026 को जिला कारागार गुरमा, जनपद सोनभद्र का माननीय जिला जज सोनभद्र, जिलाधिकारी सोनभद्र, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजीएम) सोनभद्र, एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र सोनभद्र द्वारा संयुक्त रूप से आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों की स्थिति, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, चिकित्सीय सुविधाएं, बैरकों की स्थिति, रसोईघर, जलापूर्ति, विद्युत व्यवस्था तथा अभिलेखों का गहनतापूर्वक अवलोकन किया गया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा बंदियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं शिकायतों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। इसके अतिरिक्त कारागार परिसर की साफ-सफाई, अनुशासनात्मक व्यवस्था एवं समग्र प्रशासनिक व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा कारागार प्रशासन को निर्देशित किया गया कि स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। संयुक्त निरीक्षण के उपरांत जेल अधीक्षक, जिला कारागार गुरमा को सुधारात्मक सुझाव भी प्रदान किए गए, जिससे बंदियों को और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

मोहर्रम पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, तीन सुपर जोन और दस सेक्टर बनाए गए

राबर्ट्सगंज, दुद्धी और शाहगंज में मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारियों की तैनाती।

संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी, कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश।

26 जून को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक ड्यूटी पर रहेंगे नामित अधिकारी

साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने हेतु जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी सोनभद्र के निदेर्शानुसार मोहर्रम पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु जनपद में व्यापक सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। चंद्र दर्शन के अनुसार इस वर्ष मोहर्रम का मुख्य आयोजन दिनांक 26 जून 2026 को होगा। मोहर्रम के अवसर पर निकलने वाले ताजिया एवं अलम जुलूसों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी को देखते हुए जनपद के संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से राबर्ट्सगंज, दुद्धी एवं शाहगंज क्षेत्र को कुल तीन सुपर जोन, तीन जोन तथा दस सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र में सुपर जोनल, जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है। राबर्ट्सगंज सुपर जोन में उप जिलाधिकारी अश्वनी कुमार यादव को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट तथा पुलिस उपाधीक्षक नगर रणधीर मिश्र को पुलिस अधिकारी नामित किया गया है। यहां शीतला मंदिर चौराहा, पुरानी मस्जिद, नई मस्जिद एवं नई बस्ती क्षेत्र को चार सेक्टरों में विभाजित कर महेंद्र मौर्य, सुधांशु शेखर शर्मा, विशाल कुमार पासवान तथा मनोज कुमार मिश्रा को सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। दुद्धी सुपर जोन में उप जिलाधिकारी निखिल यादव को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट एवं पुलिस उपाधीक्षक दुद्धी राजेश कुमार राय को पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अमवार तिराहा, म्योरपुर तिराहा, संकट मोचन मंदिर तिराहा तथा मल्देवा चौक एवं ठठेरी तिराहा क्षेत्र में क्रमशः संजय कुमार, मनोज कुमार सिंह, नागेन्द्र कुमार भारती एवं प्रेमशंकर राम को सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। शाहगंज सुपर जोन में उप जिलाधिकारी घोरावल आशीष कुमार त्रिपाठी को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट तथा पुलिस उपाधीक्षक घोरावल को पुलिस अधिकारी नामित किया गया है। राजपुर, सिकरी, जमगांव तथा कस्बा शाहगंज क्षेत्र में विदित कुमार तिवारी एवं अरविंद कुमार पटेल को सेक्टर मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है कि सभी नामित जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट 26 जून को प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में उपस्थित रहकर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे। संबंधित उप जिलाधिकारी अपने क्षेत्र में अतिरिक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती कर व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे।

मध्यस्थता की गोपनीयता बनाए रखने पर सचिव डीएलएसए ने दिया विशेष बल

जिला कारागार सोनभद्र का संयुक्त बोर्ड विजिटर द्वारा त्रैमासिक निरीक्षण।

बंदियों की सुविधाओं, स्वच्छता एवं विधिक सहायता व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की कार्ययोजना वर्ष 2026-27 के क्रियान्वयन के क्रम में आज दिनांक 24 जून 2026 को प्रातः 09:00 बजे एडीआर भवन, जनपद न्यायालय सोनभद्र में सभी मध्यस्थ अधिवक्ताओं की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रीमती निर्मला शर्मा, रमेश राम पाठक, श्रीमती बिन्दू यादव, अमरेश चन्द्र पाण्डेय, मुनीराज शाह, राधेश्याम पाण्डेय, सेराज अख्तर खां, अनिल कुमार सिंह, प्रभात कुमार मिश्रा, श्रीमती चन्द्रावती जायसवाल, आस मोहम्मद अली, मो. फारूख तथा श्रीमती पूनम सिंह सहित अन्य मध्यस्थ अधिवक्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए राहुल, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र ने मध्यस्थता प्रक्रिया की गोपनीयता के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता न्यायालयीन कार्यवाही से भिन्न एक पूर्णतः गोपनीय प्रक्रिया है, जिसमें पक्षकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रयास किया जाता है। उन्होंने निर्देशित किया कि यदि मध्यस्थता सफल होती है तो केवल समझौते की सूचना न्यायालय को दी जाए तथा यदि असफल होती है तो मात्र एक पंक्ति की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। मध्यस्थता के दौरान हुई चर्चा, प्रस्ताव अथवा वाताओं का किसी भी स्तर पर खुलासा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे मध्यस्थता प्रक्रिया की मूल भावना एवं गोपनीयता प्रभावित होती है। बैठक में उपस्थित मध्यस्थ अधिवक्ताओं को उपभोक्ता अधिकारों एवं उपभोक्ता संरक्षण संबंधी कानूनों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए। उन्हें आमजन को उपभोक्ता फोरम एवं शिकायत निवारण तंत्र के प्रति जागरूक करने तथा उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रभावी उपयोग हेतु प्रेरित करने को कहा गया, ताकि उपभोक्ता अपने साथ होने वाली किसी भी प्रकार की अनियमितता के विरुद्ध विधिक उपायों का लाभ उठा सकें साथ ही वैवाहिक विवादों के मुकदमे पूर्व (प्री-लिटिगेशन) स्तर पर निस्तारण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। सचिव डीएलएसए ने बताया कि वैवाहिक एवं पारिवारिक विवादों का समाधान न्यायालय में वाद दायर करने से पूर्व मध्यस्थता के माध्यम से कराया जा सकता है, जिससे समय, धन एवं मानसिक तनाव की बचत होती है। मध्यस्थता केंद्र पर उपस्थित लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित प्री-लिटिगेशन सेवाओं की उपयोगिता एवं लाभों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके उपरांत आज ही संयुक्त बोर्ड विजिटर द्वारा जिला कारागार, सोनभद्र का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान माननीय जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, श्री पंकज न्यायिक अधिकारी/मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, राहुल सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अरुण कुमार मिश्रा जेल अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी, सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक- श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक - रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों-जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य-पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112 -आपातकालीन सेवा

1090 / 1091 -महिला सुरक्षा हेल्पलाइन

181 -महिला हेल्पलाइन

1930 -साइबर अपराध हेल्पलाइन

1076 -मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

मंगलवार को गंगा आरती में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई पुलिस उप महानिरीक्षक पूनम लिया माँ गंगा का आशीर्वाद

अमन लेखनी समाचार

विंध्याचल पक्का घाट पर विन्ध्य विकास परिषद के तत्वावधान में आयोजित मंगलवार को माॅ गंगा आरती में मुख्य अतिथि के रूप मे पुलिस उप महानिरीक्षक पूनम सपरिवार शामिल हुई लिया माॅ गंगा का आशीर्वाद पुलिस उप महानिरीक्षक पूनम बोली की पहली बार माॅ गंगा आरती में शामिल होकर बहुत अच्छा लगा माॅ गंगा जब भी बुलायेगी आती रहुंगी आरती पश्चात मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र व माॅ का चित्र देकर सम्मान किया गया सुरक्षा व्यवस्था में थाना प्रभारी विन्ध्याचल अजीत सिंह व मंदिर सुरक्षा प्रभारी उदय प्रताप सिंह रहे आरती में मुख्य रूप से गंगा आरती प्रमुख रामानन्द तिवारी, कृष्ण कुमार पाण्डेय, विनय दुबे, जितेन्द्र मिश्रा, प्रशांत उपाध्याय, धीरज तिवारी, आनन्द तिवारी, दिनेश गुप्ता, गगन माली, रितिक गुप्ता, विश्वनाथ साहू, हिमांशु मिश्रा, राज तिवारी, रामजी माली, रमेश, व श्रद्धालु भक्त शामिल हुए

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

कुछ समयांतराल पर जब बार-बार हो फीवर

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले एक हफ्ते से शाम ढलते ही मुझे ठंड के साथ बुखार आ जाता है। दवा लेने पर ठीक हो जाता है, लेकिन अगली शाम फिर ऐसा होता है। कृपया बताएं इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-आशुतोष, रायपुर

जैसा आप बता रहे हैं कि आपको रोज शाम को बुखार आ जाता है और दवा लेने के बाद ठीक हो जाता है। इससे ऐसा लग रहा है कि आपको टाइफाइड हो सकता है, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। टाइफाइड को ही मियादी बुखार बोलते हैं, जो एक तय समय पर आता है और उतर जाता है। बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें। वे जांच करके यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि फीवर होने का कारण क्या है, और फिर उसके बाद ट्रीटमेंट ठीक से हो सकेगा।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मेरी जीभ पर अक्सर फफोले निकल आते हैं, जिससे खाने-पीने में काफी तकलीफ होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है और इसे होने से कैसे रोका जा सकता है?

-मनीष, बलौदा बाजार

कई बार इस तरह की समस्याएं अधिक गर्म खाना खाने से होती हैं, अगर ऐसा आप कर रहे हैं तो इसमें बदलाव करें और अधिक गर्म खाना ना खाएं। अगर ऐसा नहीं है तो जरूर आपको एक बार ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वे जांच करने के बाद कारण के बारे में बता पाएंगे। फिलहाल आप अधिक मिर्च-मसाले वाली चीजें बिल्कुल ना खाएं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। 10-15 दिन के अंतराल पर मुझे लूज मोशन या वॉमिटिंग होती है। जिससे काफी कमजोरी महसूस होती रहती है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-हरीश, महेंद्रगढ़

जैसा आप बता रहे हैं, इससे लगता है कि आपको डाइजेशन की समस्या है। इसलिए सबसे पहले आप खान-पान में सुधार करें। अधिक तेल और मिर्च-मसाले वाला खाना ना खाएं। साथ ही साफ पानी पिएं। कई बार बाहर का पानी पीने से भी इंफेक्शन हो जाता है, जिससे इस तरह की समस्याएं दिखती हैं। आप घर से निकलते समय पानी की बोतल लेकर निकलें। इस तरह बदलाव से आपको आराम मिल सकता है। अगर फिर भी आराम ना मिले तो जरूर आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मेरी गर्दन और कंधे पर बार-बार दाद निकल आता है। इसमें काफी इचिंग होती है। प्लीज बताएं कि इससे कैसे निजात मिलेगी?

-सौरभ, बिलासपुर

जिन लोगों को अधिक पसीना निकलता है और देर तक सूख नहीं पाता है, उनको इस तरह की समस्याएं हो सकती हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आपको जहां इचिंग होती है, उस हिस्से में लगातार पसीना पोंछते रहना चाहिए, क्योंकि पसीने की नमी में फंगल इंफेक्शन से ही दाद होती है, जिससे खुजली शुरू होती है। अधिक दिक्कत हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क कर ऑइंटमेंट लिखवा लें, इससे आराम जल्दी से मिल जाएगा।

मेरी उम्र 52 वर्ष है। मेरे ब्लड टेस्ट में आयरन और विटामिन डी कम है, जबकि विटामिन बी 12 और कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है। इसकी क्या वजह हो सकती है? ऐसे में मुझे कैसी डाइट लेनी चाहिए?

-कुलदीप, दुर्ग

विटामिन-डी की कमी शहरों में रहने वाले लोगों को अधिक होती है, क्योंकि उनका धूप में एक्सपोजर कम होता है। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आपको विटामिन-डी और बी-12 की दवा लेनी चाहिए। साथ ही आप बता रहे हैं कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है और आयरन कम है। बेहतर होगा कि आप डॉक्टर से संपर्क कर लें, वे आपको इसकी मेडिसिन बता देंगे। साथ में डाइटिशियन से भी आपको संपर्क कर लेना चाहिए, वो आपका डाइट चार्ट तैयार कर देंगे, जिसके अनुसार आप डाइट लेंगे तो भविष्य में विटामिन-डी, बी-12 और आयरन बैलेंस रहेंगे। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. नवदीप सिंह
प्रिंसिपल-इंडस कॉलेज ऑफ नर्सिंग
खांडा खेड़ी, हिसार

हाल के वर्षों में यंग और मिड एज की महिलाओं में पीएमओएस (पूर्व नाम पीसीओएस) की समस्या काफी देखने को मिल रही है। हालांकि इसके पीछे कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अनबैलेंस्ड लाइफस्टाइल की वजह से यह समस्या ज्यादा बढ़ती है। ऐसे में इससे ग्रस्त महिलाओं को बिना चिंता और डर के इसके स्पेशलिस्ट डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए, ताकि इसे कंट्रोल किया जा सके। इस बारे में यहां दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

सही ट्रीटमेंट-बैलेंस्ड लाइफस्टाइल से पीएमओएस को कर सकते हैं कंट्रोल

बहुसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम, जिसे पहले पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के नाम से जाना जाता था, अब वैश्विक सहमति के बाद आधिकारिक रूप से पॉलिएंडोक्राइन मेटाबॉलिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीएमओएस) कहलाया जा रहा है। यह नाम परिवर्तन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि यह स्थिति केवल ओवरी की सिस्ट तक सीमित नहीं, बल्कि बहुग्रंथि (पॉलिएंडोक्राइन) हार्मोनल असंतुलन और व्यापक मेटाबॉलिक गड़बड़ी से जुड़ी लॉन्ग पीरियड बीमारी है।

काफी महिलाएं होती हैं प्रभावित

पीएमओएस आज प्रजनन-आयु की महिलाओं में सर्वाधिक पाए जाने वाले हार्मोनल और मेटाबॉलिक रोगों में प्रमुख माना जा रहा है। उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि विश्व-स्तर पर लगभग हर आठ में से एक महिला इससे प्रभावित हो सकती है, जबकि भारतीय अध्ययनों में इसका प्रचलन कई समुदायों में लगभग 3.7 से 22.5 प्रतिशत तक दर्ज किया गया है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से गंभीर चेतावनी है।

ऐसे होता है डायग्नोज

2023 की अंतरराष्ट्रीय साक्ष्य आधारित पीएमओएस गाइडलाइन के अनुसार इस स्वास्थ्य समस्या के निदान के लिए अनियमित या अनुपस्थित ओवुलेशन, एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता के लक्षण तथा अल्ट्रासाउंड में स्पेसिफिक ओवरी इमेज, इन तीन में से कम से कम दो क्राइटेरिया की उपस्थिति आवश्यक मानी जाती है, बशर्ते अन्य कारणों की वैज्ञानिक रूप से जांच कर उन्हें अलग कर दिया गया हो। पीएमओएस को अब केवल एक स्त्री रोग नहीं, बल्कि व्यापक मेटाबॉलिक स्थिति के रूप में स्वीकार किया जा रहा है, जो टाइप 2 डायबिटीज, हाई बीपी, हृदय रोग, फैटी लिवर और कुछ विशिष्ट कैंसरों के बढ़े रिस्क से भी जुड़ी है।

रोग होने के कारण

पीएमओएस के लगातार बढ़ते मामलों के पीछे आनुवंशिक प्रवृत्ति और इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसे जैविक कारणों के साथ-साथ आधुनिक जीवनशैली की अनेक अस्वास्थ्यकर आदतें भी जिम्मेदार हैं। इंसुलिन रेजिस्टेंस को पीएमओएस की रोग जनन प्रक्रिया का मेन फैक्टर माना जाता है, जो सामान्य बॉडी मास इंडेक्स (नॉर्मल बीएमआई) वाली महिलाओं में भी पाया जा सकता है। मोटापे और पेट की अधिक चर्बी से यह और अधिक गंभीर हो जाता है। तीव्र शहरीकरण, शारीरिक गतिविधि में कमी, एनर्जीफुल और शुगर रिच डाइट, फास्ट फूड हैबिट, कार्यस्थल और पारिवारिक तनाव, देर रात तक जागने की आदत और अपर्याप्त नींद लेने जैसे कारण, भारतीय शहरी और अर्ध शहरी युवतियों में पीएमओएस होने की आशंका को और बढ़ा रहे हैं।

रोग का उपचार

मेडिकली पीएमओएस का पर्मानेंट ट्रीटमेंट अभी उपलब्ध नहीं है। लेकिन इसमें संदेह नहीं है कि समुचित मेडिसिनल ट्रीटमेंट और डिसिप्लींड लाइफस्टाइल के माध्यम से इसे प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। अधिकांश महिलाएं प्रॉपर लाइफ मैनेजमेंट के साथ नॉर्मल लाइफ जी सकती हैं और मातृत्व सुख भी प्राप्त कर सकती हैं।

ट्रीटमेंट प्रोसीजर

पीएमओएस के ट्रीटमेंट का प्रोसीजर हमेशा व्यक्तिगत होना चाहिए। इसमें पेशेंट की आयु, उसके प्रमुख लक्षण, मेटाबॉलिक रिस्क और प्रेग्नेंसी की इच्छा जैसे प्वाइंट्स को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पीरियड्स को नियमित करने और एंड्रोजन स्तर को नियंत्रित करने के लिए हार्मोनल गर्भनिरोधी मेडिसिंस या प्रोजेस्टिन, इंसुलिन रेजिस्टेंस और वेट मैनेजमेंट के लिए मेटफॉर्मिन समूह की दवाएं, अनचाहे बाल और मुंहासों के लिए एंटी एंड्रोजन और त्वचा संबंधी उपचार, प्रेग्नेंसी की इच्छा होने पर ओवुलेशन प्रेरित करने वाली दवाएं और आवश्यकता पड़ने पर सहायक रिप्रोडक्शन तकनीक जैसे आज के समय में कई ऑप्शंस उपलब्ध हैं। इन सभी का प्रयोग केवल योग्य स्त्री रोग विशेषज्ञ या एंडोक्राइनोलॉजिस्ट की निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

प्रभावी है लाइफस्टाइल मैनेजमेंट

इंटरनेशनल गाइडलाइंस में लाइफस्टाइल मैनेजमेंट यानी जीवनशैली प्रबंधन में विशेष रूप से डाइट, फिजिकल एक्टिविटी और व्यावहारिक परिवर्तन को पीएमओएस का फर्स्ट लेवल ट्रीटमेंट माना गया है। खासकर तब जब पेशेंट का बॉडी वेट सामान्य से अधिक हो। एविडेंस बेस्ड स्टडीज से यह स्पष्ट है कि ओवर बॉडी वेट में मात्र 5-10 प्रतिशत की कमी से भी पीरियड्स की रेग्युलेरिटी, नॉर्मल ओवुलेशन, इंसुलिन सेंसिटिविटी और लिपिड प्रोफाइल में महत्वपूर्ण सुधार प्राप्त किया जा सकता है।

बैलेंस्ड डाइट है लाभकारी

बैलेंस्ड, हाई फाइबर और लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला डाइट, जिसमें साबुत अनाज, दालें, ताजी सब्जियां, विभिन्न फल, मेवे (ड्राय फ्रूट्स), बीज और स्वस्थ असंतृप्त वसा (हेल्दी अनसैचुरेटेड फैट) शामिल हों, पीएमओएस कंट्रोल करने में विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हुआ है, जबकि रिफाइंड मैदा, अत्यधिक चीनीयुक्त खाद्य पदार्थ, मीठे पेय, तले-भुने और प्रोसेस्ड फूड्स, इंसुलिन रेजिस्टेंस और निम्न स्तरीय सूजन को बढ़ाते हैं।

महत्वपूर्ण हैं फिजिकल एक्टिविटीज

नियमित शारीरिक गतिविधि, पीएमओएस के लगभग सभी क्लीनिकली रिलेटेड इश्यूज जैसे- बॉडी वेट, पेट की चर्बी, इंसुलिन रेजिस्टेंस, ब्लड प्रेशर, कार्डियो मेटाबॉलिक रिस्क और मेंटल हेल्थ पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। उपलब्ध मेटा विश्लेषण, प्रति सप्ताह कम से कम 150 मिनट मीडियम से फास्ट एरोबिक वर्कआउट के साथ सप्ताह में दो या अधिक दिन प्रतिरोधात्मक (रेजिस्टेंस) व्यायाम की सिफारिश करते हैं। संरचित, पर्यवेक्षित व्यायाम कार्यक्रमों (स्ट्रक्चर्ड, सुपरवाइज्ड एक्सरसाइज प्रोग्राम) और उच्च तीव्रता अंतराल प्रशिक्षण (एचआईआईटी) ने कमर की माप, इंसुलिन सेंसिटिविटी और कार्डियो रेस्पिरेट्री फिटनेस में विशेष लाभ दिखाए हैं। समग्र रूप से पीएमओएस, 'होल पर्सन केयर' की आवश्यकता को रेखांकित करता है, जिसमें जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सभी आयामों को समन्वित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। इसके लिए डॉक्टर्स, नर्सेज और एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स को सहानुभूतिपूर्ण परामर्श के माध्यम से यह संदेश देना चाहिए कि पीएमओएस किसी व्यक्तिगत गलती का परिणाम नहीं है। यह कई फैक्टर्स पर निर्भर करने वाली मेडिकल कंडीशन है, जिसे मैनेज-कंट्रोल किया जा सकता है। यदि पेशेंट को समय पर, सही ट्रीटमेंट दी जाए और उसके साथ संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी उपायों को अपनाया जाए तो पीएमओएस के अधिकांश नेगेटिव प्रभावों को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया जा सकता है। *

मेंटल-इमोशनल हेल्थ का रखें ध्यान

आहार और व्यायाम के अतिरिक्त मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य (मेंटल-इमोशनल हेल्थ) पर ध्यान देना भी पीएमओएस (होल पर्सन केयर) प्रबंधन का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। तुलनात्मक अध्ययनों में पीएमओएस से प्रभावित महिलाओं में अवसाद (डिप्रेशन), चिंता (स्ट्रेस), विकृत भोजन आचरण (बैड फूड हैबिट) और नेगेटिव बॉडी इमेज की दर, सामान्य महिलाओं की तुलना में अधिक पाई गई है। इससे उपचार अनुपालन तथा जीवन गुणवत्ता दोनों प्रभावित होती हैं। योग, प्राणायाम, ध्यान और संज्ञानात्मक व्यावहारिक उपचार (कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी) जैसे तरीके तनाव घटाने, नींद सुधारने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। हालांकि उनके रुटीन क्लीनिकल प्रैक्टिस में स्थान को डिफाइन करने के लिए, हाई क्वालिटी रिसर्च की आवश्यकता बनी हुई है।

फिटनेस

संध्या सिंह

इन दिनों के लिए परफेक्ट फिटनेस मंत्रा

जून महीने के इन अंतिम दिनों में जब जमकर बारिश शुरू नहीं हुई है और वातावरण में उमस भरी बेचैन करने वाली गर्मी है, ऐसे में अपनी फिटनेस को मेंटेन रखने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सूर्योदय के समय से कुछ देर बाद तक हल्की शारीरिक गतिविधि करें। दिन के समय हर 30-40 मिनट में कुछ घूंट पानी पीएं। दोपहर 11 से 4 बजे के बीच ज्यादा देर तक लगातार धूप में न रहें।

इन दिनों अगर आप यहां बताए जा रहे नियमों का पालन करें तो पूरी तरह से फिट रह सकते हैं। यह नियम न केवल गर्मी के दुष्प्रभावों से बचाता है बल्कि पूरी तरह से फिट और एक्टिव रखता है। इन दिनों अगर आप सर्दियों जैसी ही हैवी एक्सरसाइज जारी रखते हैं तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है, लगातार थकान बनी रहती है, चक्कर आने लगते हैं, मांसपेशियों में खिंचाव जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। इसलिए इस मौसम में फिटनेस का अर्थ केवल कैलोरी बर्न करना नहीं बल्कि शरीर को ठंडा रखना, ऊर्जावान रखना और सुरक्षित रखना भी होता है। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

सुबह जल्दी व्यायाम करें: इन दिनों बेहतर है कि आप सुबह पांच बजे व्यायाम के लिए तैयार हो जाएं और साढ़े छ-सात बजे तक व्यायाम पूरा कर लें। इस समय तापमान कम तो रहता ही है, शरीर पर अतिरिक्त दबाव भी नहीं पड़ता। इस दौरान तेजगति से चलना, कुछ आसन, प्राणायाम, हल्की स्ट्रेचिंग और साइकिलिंग फिट रहने के लिए पर्याप्त व्यायाम हैं। इस मौसम में भारी जिम वर्कआउट के बजाय कुछ आसन करना बेहतर विकल्प होता है। खास तौर पर ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, शवासन, अनुलोम-विलोम, शीतली और शीतकारी प्राणायाम इन दिनों शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखते हुए ठंडक प्रदान करते हैं।

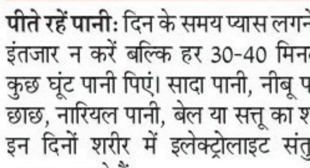

पीते रहें पानी: दिन के समय प्यास लगने का इंतजार न करें बल्कि हर 30-40 मिनट में कुछ घूंट पानी पिएं। सादा पानी, नीबू पानी, छाछ, नारियल पानी, बेल या सत्तू का शर्बत इन दिनों शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाकर रखते हैं।

हल्का आहार: इस मौसम में फिटनेस बनाए रखने के लिए आहार भी हल्का लेना चाहिए। इसलिए खीरा, ककड़ी, खरबूजा, लौकी, तोरी और दही का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। इन दिनों तले हुए, ज्यादा मसाले वाले और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। *

अवेयरनेस

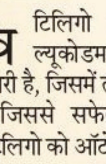

डॉ. मोलिशा भंडारी
डर्मेटोलॉजिस्ट, पेसिफिक वन हेल्थ हॉस्पिटल, नई दिल्ली

विटिलिगो एक प्रकार की ऑटोइम्यून डिजीज है, जिसमें स्किन कलर को कंट्रोल करने वाले मेलेनोसाइट्स नष्ट होने लगते हैं। इससे व्हाइट स्पॉट्स दिखने लगते हैं। **वर्ल्ड विटिलिगो डे (25 जून)** के अवसर पर जानिए, इससे जुड़ी बहुत इंपॉर्टेंट इंफॉर्मेशंस।

विटिलिगो को कर सकते हैं कंट्रोल

विटिलिगो को सफेद दाग या ल्यूकोडर्मा भी कहते हैं। यह ऐसी बीमारी है, जिसमें त्वचा की रंगत चली जाती है, जिससे सफेद धब्बे बन जाते हैं। विटिलिगो को ऑटोइम्यून बीमारी माना जाता है, जिसका आशय है कि यह समस्या शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा त्वचा की मेलेनोसाइट्स पर हमला करने के कारण होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह तब होता है, जब त्वचा में मेलेनिन नामक पिगमेंट बनाने वाली कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं।

क्या हैं कारण: विटिलिगो के होने का सटीक कारण अज्ञात है। लेकिन कुछ फैक्टर्स इससे रिलेटेड हो सकते हैं।

आनुवंशिक कारक: ऐसे लोगों में विटिलिगो होने की संभावना अधिक होती है, जिनके परिवार में विटिलिगो हो चुका है।

तनाव: कुछ मामलों में अत्यधिक तनाव विटिलिगो को ट्रिगर कर सकता है या इसे और बदतर बना सकता है।

अन्य बीमारियां: थायरॉइड संबंधी समस्याएं, टाइप 1 डायबिटीज और एडिसन रोग आदि भी विटिलिगो की समस्या बढ़ा सकते हैं या उत्पन्न कर सकते हैं।

प्रमुख लक्षण: त्वचा पर सफेद या हल्के रंग के धब्बे शरीर के किसी भी भाग पर हो सकते हैं। आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथों और पैरों पर सफेद धब्बे अधिक दिखाई देते हैं। धब्बे आमतौर पर शरीर के दोनों तरफ दिखाई देते हैं। त्वचा का रंग पैच में बदल जाता है। ऐसे लक्षण दिखने पर डर्मेटोलॉजिस्ट से मिलें।

इलाज के बारे में: विटिलिगो का स्थाई इलाज नहीं है, लेकिन विभिन्न उपचार विधियों से इस त्वचा रोग को नियंत्रित व प्रबंधित किया जा सकता है, जिनसे त्वचा के रंग को वापस लाया जा सकता है। विटिलिगो के उपचार के विकल्पों में शामिल हैं-

टॉपिकल उपचार: विशेषज्ञ डॉक्टर आमतौर पर टॉपिकल 'कार्टिकोस्टेरॉयड्स' या नॉन-स्टेरॉयडल इम्यूनोसप्रेसेंट आदि से उपचार शुरू करते हैं। टॉपिकल 'कार्टिकोस्टेरॉयड्स' दवाएं सूजन को कम करने और त्वचा के रंग को वापस लाने में मदद करती हैं। वहीं गैर-स्टेरॉयडल दवाएं, लंबे समय तक उपयोग के लिए बेहतर होती हैं, क्योंकि स्टेरॉयड्स की तुलना में उनके कम दुष्प्रभाव होते हैं, खासकर बच्चों के लिए या शरीर के संवेदनशील भागों के उपचार में।

फोटोथेरेपी: इस थेरेपी के अंतर्गत विशेष प्रकाश किरणों का उपयोग करके त्वचा के विकारों या खामियों को दूर किया जाता है।

दवाएं: अतीत में उपचार के विकल्प काफी कम थे, लेकिन अब ओरल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स से लेकर नए गैर-स्टेरॉयडल इम्यूनोसप्रेसिव और इम्यूनोमॉडुलेटरी दवाओं की लॉन्ग रेंज दवाएं उपलब्ध हैं। दवा का चयन पूरी तरह से त्वचा रोग विशेषज्ञ पर निर्भर करता है। इन दवाओं को नियमित रूप से लेना जरूरी है।

सर्जिकल प्रोसेस: अनेक मामलों में सर्जरी का उपयोग किया जा सकता है, जहां अन्य उपचार असरदार नहीं होते। स्थिर विटिलिगो वाले मरीजों के लिए, पंच ग्राफ्टिंग, सक्शन ब्लिस्टर ग्राफ्टिंग और एडवांस्ड नॉन-कल्चर्ड मेलेनोसाइट सस्पेंशन तकनीक सहित कई सर्जिकल उपचार उपलब्ध हैं। ये सभी प्रोसेस काफी कारगर हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

गलतफहमियों से रहें दूर

मिथ: एक गंभीर बीमारी है विटिलिगो।
तथ्य: विटिलिगो गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन यह व्यक्ति के शारीरिक सौंदर्य को प्रभावित कर सकती है।
मिथ: विटिलिगो एक संक्रामक रोग है।
तथ्य: विटिलिगो संक्रामक नहीं है। इस कारण यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता।
मिथ: विटिलिगो कैंसर का कारण बनता है।
तथ्य: विटिलिगो का कैंसर से कोई संबंध नहीं है।
मिथ: विटिलिगो केवल गोरी त्वचा वाले लोगों को होता है।
तथ्य: विटिलिगो किसी भी उम्र या किसी भी रंग की त्वचा वाले व्यक्ति को हो सकता है।

और कितने लाक्षागृह

यह अग्निकांड नहीं, हत्याकांड है। यह हादसा या दुर्घटना नहीं, कत्लेआम का बंदोबस्त है। यह आधुनिक दौर का लाक्षागृह कांड है। ऐसी हत्याएं यहीं नहीं रुकेंगी, क्योंकि यह हमारी व्यवस्था की निरंतर नाकामी है। नगर निगम आंख मूंद कर सोया है, निर्लिप्त है, कोई चिंता-सरोकार नहीं है। बिजली विभाग को करंट दो, क्योंकि वह सन्नाटे में बेसुध है। फायर ब्रिगेड के भीतर जान बचाने का जज्बा बुझ चुका है। ये विभाग और बड़े अधिकारी सिर्फ चाय-पानी की प्रतीक्षा में हैं। उनकी औलादें विदेश में या बेहतर व्यवस्था के संस्थानों में कम्प्यूटर पर खेल रही हैं। आग विदेश में भडकती है, धुआं वहां भी काला और दमघोंटू होता है। लाक्षागृह स्तरीय संस्थानों में भी बनाए जा सकते हैं। एक बार किसी मंत्री, मुख्यमंत्री, मेयर, सचिव, निदेशक का बच्चा ऐसे लाक्षागृह में फंसना चाहिए, लेकिन उसके दम घुटने अथवा जिंदा जल जाने की कल्पना भी हम नहीं करेंगे। लाक्षागृह लखनऊ में ही नहीं हैं। इसी महीने की शुरूआत में राजधानी दिल्ली के एक गेस्ट हाउस में अग्निकांड हो गया था। 21-22 निर्दोष, अतिथि मारे गए। राजधानी दिल्ली के विवेक विहार, पालम, द्वारिका आदि में भी कई लोग जिंदा जल कर खाक हो गए। उनकी क्षतिपूर्ति 5-10 लाख रुपए आंकी गई और अध्याय खत्म..! फिर एक और लाक्षागृह का इंतजारङ्क! देश के आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, गुजरात आदि राज्यों में लाक्षागृह धू-धू कर जले हैं। कितना होश आया, व्यवस्था बदली या बुलडोजर चलाए गए? देश में और कितने ऐसे लाक्षागृह हैं, कोई नहीं बता सकता। ईश्वर भी असहाय साबित होंगे। जांच के नाम पर कुछ ढोंग किए जाते हैं, कुछ इमारतें सील की जाती हैं, छोटे कर्मचारी निलंबित कर दिए जाते हैं, बसङ्कहो गया न्याय! सरकारें मुआवजे बांटने को लालायित रहती हैं। शायद उनसे भी वोट मिलते होंगे! सरकारें अवैध, अतिक्रमण वाले, असुरक्षित, बिन अग्निशमन सिस्टम के, बड़े-बड़े निमार्णों, इमारतों, होटलों, मॉल, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज की तरफ आंख उठा कर भी नहीं देखतीं, क्योंकि चाय-पानी मिल चुका होता है।

हमारी संपूर्ण व्यवस्था ही बेईमान, भ्रष्ट, नालायक और सुप्तावस्था में है। नतीजतन लाक्षागृह बनते जा रहे हैं। लखनऊ में भी कुछ अधिकारियों को निलंबित करने से कुछ नहीं होगा। जिनके कार्यकाल में ये लाक्षागृह बनाए गए हैं, उन्हें सरकारी सेवाओं से, तुरंत प्रभाव से, बर्खास्त कर देना चाहिए। सरकारें अदालती चुनौतियों को भी झेलें और उन्हें यथार्थ से अवगत कराएं। सरकारों को ऐसा दंडात्मक रुख अख्तियार करना पड़ेगा। लाक्षागृह में आग लगने से 2005-15 में सालाना 17,700 से अधिक मौतें हुई हैं। 2015-24 के दौरान 10,909 मौतेंङ्क! अर्थात 25-30 लाक्षागृह मौतें हररोजङ्क! कितना खौफनाक, त्रासद आंकड़ा है यह? 2024 की रपट भी सामने है, जिसके मुताबिक उस साल 5971 लाक्षागृह कांड हुए, जिनमें 5888 मौतें हुईं। क्या ऐसा देश विश्व-गुरु होने की खुशफहमी भी पालने लायक है? स्मार्ट सिटी बनाने की परियोजना ही बंद कर देनी चाहिए, क्योंकि हम ऐसा ढांचा बनाने में अक्षम हैं। हम चेतना-सोच के स्तर पर स्मार्ट होने से बहुत दूर हैं। क्यों करदाताओं के करोड़ों रुपए स्मार्टफहमी के नाम पर फूंके जा रहे हैं? जिन्हें चाय-पानी की लार परेशान कर रही है, उन्हें सत्ता और प्राधिकरण के दफ्तरों से बाहर कर देना चाहिए। यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री यह काम नहीं कर सकते, तो यह काम भी देश की आक्रोशित जनता कर सकती है। यह लापरवाही, अनदेखी और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है कि 70 फीसदी से अधिक दिल्ली लाक्षागृह की आशंका, अंदेशों के साथ जी रही है। जरा दिल्ली के सदर बाजार, चांदनी चौक, करोल बाग, पहाडगंज सरीखे बाजारों में घूम कर अनुभव लें। दिल्ली की बड़ी-बड़ी इमारतों के परिसर में जाकर उनकी पुरानी, संकरी व्यवस्था को देख लें, नंगी तारों के झुंड भी जरूर देखना, तो आप एकबारगी सिहर उठेंगे।

समझौता कैसे होगा?

भारत के संदर्भ में 25 जून का दिन अलोकतांत्रिक, दमनकारी, तानाशाही आपातकाल का है, लेकिन वैश्विक स्तर पर भी आपात स्थितियां बनी हैं, क्योंकि अमरीका और ईरान के बीच सब कुछ विरोधाभासी ही है। दोनों देशों ने 14 बिंदुओं वाले सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन संवाद ठहरा है अथवा मध्यस्थों के साथ जारी है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार विनाशक हमले की धमकियां दे रहे हैं। वहां के अधिकतर लोग मानते हैं कि ईरान युद्ध में अमरीका पराजित हुआ है। सहमति-पत्र में लगभग सभी ईरानी शर्तें अमरीका को माननी पड़ी हैं। सीनेट में भी ट्रंप हार गए हैं, क्योंकि अमरीकी संसद ने ह्यवॉर पॉवर्सह्ल संबंधी प्रस्ताव पारित कर लिया है। अब संसद की पूर्व अनुमति के बिना राष्ट्रपति ट्रंप किसी भी युद्ध में कूद नहीं सकते। बहरहाल ट्रंप की धमकियों पर ईरान भी पलटवार को तैयार है। उनके सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का एक सीक्रेट पत्र लीक हुआ है, जिसमें साफ आदेश है कि अमरीका के साथ बातचीत तुरंत रोक दें। इसी जंगी माहौल में ईरान ने ह्यकादिरह्ल बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अमरीका और ईरान युद्ध के मोर्चों पर सैन्य तौर पर तैनात हैं। क्या ऐसे समझौता संभव है? ईरान और इजरायल एक बार फिर एक-दूसरे पर विध्वंसक हमले करने की तैयारी-तैनाती में हैं।